हरियाणा विधान सभा
की
कार्यबाही
15 मार्च, 1995
खण्ड 1, भाग 8
अधिकृत विवरण

विषय सूची
बुधवार, 15 मार्च, 1995

पूर्व संबंध
(8)1

ताराकित प्रश्न एवं उत्तर
(8)15

वाक भाषा
(8)16

ताराकित प्रश्न एवं उत्तर (दूसरे भाग)
(8)19

नियम 45 के प्रवीण सदन की मंजूरी पर रखे गए ताराकित प्रश्नों के निर्धारित उत्तर
(8)21

राज्याल से सम्बंध
(8)21

ध्यानान्वेषण प्रश्नां तथा अनुमोदन एवं भागीदारी द्वारा सिद्धित वक्तव्य सदन की मंजूरी पर रखा गया
(8)22

ध्यानान्वेषण प्रश्नां/नियम 84 के प्रवीण प्रश्नां की सूचना
(8)24

मीडिया व्यक्तियों द्वारा प्रारंभिक का मई सत्र सभी पार्टियों के एम0एम0 एम0 बी1 एम0 समिति के गठन सम्बन्धी मामला

वैधकानिक सम्पर्क करण——

मुख्य: 122 00
(ii)

(i) चौहरी चाँदी लाल द्वारा

(ii) चौहरी धोम ब्रजभाषा चौदाला द्वारा

(iii) चौहरी चीतेन्द्र सिंह द्वारा

श्री कर्ण विद्या द्वारा, एम0एम0एम0 द्वारा भी राम द्वारा, एस0एम0एम0 को बलात्कार देने तथा उनके विषय की जानकारी देने संबंधी मामला।

वर्ष 1995-96 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारूप)

लाक भाषा

वर्ष 1995-96 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारूप)

वैज्ञानिक समिति की बारे में

वर्ष 1995-96 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारूप)

© Vicit
**ERRATA**

To


<table>
<thead>
<tr>
<th>Read</th>
<th>For</th>
<th>Page</th>
<th>Line</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>प्रहवेट</td>
<td>प्रहवेट</td>
<td>3</td>
<td>10</td>
</tr>
<tr>
<td>Auction</td>
<td>Auction</td>
<td>12</td>
<td>29</td>
</tr>
<tr>
<td>वाक-गाउट</td>
<td>वाक-गाउट</td>
<td>15</td>
<td>28</td>
</tr>
<tr>
<td>पहारी</td>
<td>पहारी</td>
<td>22</td>
<td>19</td>
</tr>
<tr>
<td>धी पर्याप्त</td>
<td>धी पर्याप्त</td>
<td>25</td>
<td>21</td>
</tr>
<tr>
<td>बात को सो</td>
<td>बात को सो</td>
<td>28</td>
<td>17</td>
</tr>
<tr>
<td>मुकट</td>
<td>मुकट</td>
<td>28</td>
<td>20</td>
</tr>
<tr>
<td>परसलोला</td>
<td>परसलोला</td>
<td>39</td>
<td>1</td>
</tr>
<tr>
<td>परसल</td>
<td>परसल</td>
<td>39</td>
<td>29</td>
</tr>
<tr>
<td>स्लूव</td>
<td>स्लूव</td>
<td>39</td>
<td>31</td>
</tr>
<tr>
<td>संस्कार</td>
<td>संस्कार</td>
<td>40</td>
<td>25</td>
</tr>
<tr>
<td>सरसीन्द</td>
<td>सरसीन्द</td>
<td>50</td>
<td>10, 20</td>
</tr>
<tr>
<td>बारए</td>
<td>बारए</td>
<td>68</td>
<td>4</td>
</tr>
</tbody>
</table>
हरियाणा विधान सभा
यूरबार, 15 मार्च, 1995
विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हैल, विधान परिषद, सेंटर-1, चंडीगढ़ में प्रात: 9.30 बजे हुई। जयम्बक (चौधरी इंशोर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारीखित प्रश्न एवं उत्तर

को प्रश्न : ग्रेगर साहिन, भव राजस्थान हों।

Pass Percentage of Results

*1024. Prof. Chhattar Singh Chauhan : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the percentage of the result of Middle Standard, Matric and 10+2 System Examinations of Government Schools, Government aided Private Schools and Non-Government aided Private Schools during the year 1993-94 in the State;

(b) whether it is a fact that the result of the Government aided Private Schools and Non-Government aided Private Schools is higher than that of Government Schools in the State; and

(c) if so, the reasons therefore and the steps taken or proposed to be taken to streamline teaching system in order to improve the results of the Government Schools in the State?

Education Minister (Shri Phool Chand Mullana) :

(a) (b) and (c) : The Information is laid on the Table of the House.

Information

(a) Percentage of the result as follows :-
Examination Result (1993-94)

<table>
<thead>
<tr>
<th>Level</th>
<th>Govt. Schools</th>
<th>Govt. aided Private Schools</th>
<th>Non-Govt. aided Private Schools</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>Middle</td>
<td>36.64</td>
<td>63.56</td>
<td>58.99</td>
</tr>
<tr>
<td>Matric</td>
<td>24.91</td>
<td>66.76</td>
<td>45.51</td>
</tr>
<tr>
<td>10+2</td>
<td>8.43</td>
<td>23.76</td>
<td>17.32</td>
</tr>
</tbody>
</table>

(b) Yes
(e) Reason for lower results in case of Govt. Schools are shortage of staff and curbing the menace of copying. The following steps have been taken to improve the results of Govt. Schools.

(i) Inspection of Schools has been made more intensive and extensive and a special campaign has been launched for inspecting maximum number of schools, especially those which have given less than 50% results.

(ii) System of monthly tests and quarterly examination has been introduced and the progress of the students would be communicated to the parents regularly.

(iii) Extensive in-service training programme are being organised for the professional growth of teachers.

(iv) Class-wise syllabus has been distributed month-wise.

(v) The pattern of internal examinations of the Schools has been made uniform in order to prepare the child for the Board Examination. In order to introduce continuous and comprehensive evaluation, marks of half yearly exam. held in Dec.—Jan., will be added in the Annual Examination results.

मी0 यत्न सिंह चौहान : सल्लर शाहन, मंजीरी महीब्य ने मिल्ह, मैड्रिक और डैण्ट वस्तु को परिश्रम को रिसट का जो विवरण पिया है , यह बहुत ही हृदय विवरण है । मंजीरी महीब्य ने गवर्नमेंट स्कूलों का रिसट बनाया न होते के कारण बुधवार, एक गवर्नमेंट स्कूलों में स्टाफ्क की कमी है । यह तंत्रों के पूरे पीछा है ।

गवर्नमेंट ने एक दोनों का पार्टिकुलर प्रायश्चित किया है। गवर्नमेंट के पास तीन नीटो लोट प्रायोजन है जैसे चारदस, एन-एन केदर के हैं , तीन 50 भीड़, एन-एन भीड़, एन-एन दो भीड़ और इंस्टीट्यूशन टर्फ है तकिन इस बात न के बदलार है।

भी अन्यथा : योगिया चाहन, प्राय सबाल पूरे।

मी0 यत्न सिंह चौहान : सल्लर शाहन, में सवाल ही पूछ रहा है। इस प्रकार ने हृदयवाद नास्तियों के बल्लों को निदान के साथ बिजलीय विदि का देखा है।

में आपके साथ से मंजीरी जी जे जानना चाहिए कि यह सरकार गवर्नमेंट स्कूलों की विशेषता देखने के लिए कोई कारण नहीं चुकाए गए है। इसके साथ-साथ में यह भी जानना चाहिए कि जितने गवर्नमेंट स्कूलों में रिसट होता ही जरूरत, आपके, फल से स्कूलों के लिए सर्कार की बुडारे के लिए कोई उपरांत करने की काफी कम है। जो धर्म नष्ट करने वाले दीवार हैं, उनकी कोई इनस्टीट्यूशन दिया जाए तथा जिन दीवारों का रिसट धरा है, वह रचना कोई निरंतर नहीं जाएगी। जो रिसट धरा था यहाँ है, उसका विस्तार स्टेज की संख्या नहीं है, जबकि गवर्नमेंट इंस्टीट्यूशन में दीवारों की दीवार पालिसी की नतीजा है। किफी दीवार का दिस्कार के महीने में दीवार कर देते हैं और निस्तार का जलवायु में दीवार कर देते हैं। यह सरकार दीवारों की दीवार की कोई ऐसी पालिसी नवाबहान ताकि दीवार पूरे साल पहाड़ी की तरफ तक बन सके?
भी युलि प्रमो गुलामः स्नीकर साहब, माता-पिता तबथा ने सीगा चार ऋत्मी-रिमी तूती हैं। इसकी प्रमो माती-पिता का उल्लास यह है कि वे रसलोकी सूत्र हैं, वे माता-पिता की विशेष स्नीकर करते हैं। स्नीकरी स्नीकरी ते माती-पिता वामिका वादाने हैं। स्नीकरी स्नीकरी में स्नीकरी वामिका का वास घर है और वे शहीरे भवन में है। हमारे वर्तनी स्नीकरी तूती टारा, नदिया और मातों में है। जो स्नीकरी सप्ताह गाँव में रहता है, वह याॅरा पता-रिसिया नहीं है और न ही यह खुद उसके बच्चों को देखना देते हैं। ज्यादा सिद्ध भी खुद बाहर में रहते हैं और अगर वे भाग के बच्चे का रिजल्ट भी मानना है। हमारे कारण यह है कि रसलोकी सूत्रवाले में वे खुद उसके देखना देते हैं, हम उन बच्चों की परेशानी दिलाते हैं जबकि स्नीकरी टारा और वे पहले में रहते हैं, उनके पिता, ती तरह की रचना कर दिलाते हैं लेकिन स्नीकरी तूती की रचना कर दिलाते हैं, इसीलिए उनका रिजल्ट नहीं माना है।


d\text{अधारे स्नीकरी में हैं, इनके कीना माना हैं। एक तो हमारे पास स्नीकरी की कमी है।}


d\text{स्नीकरी स्नीकरी का कारण यह है कि हमें वो नकल रोकते हैं, मुख्यमन्त्री के खासाकार द्वारा से इतने वे हम सफर की हैं, वो याॅरा रिजल्ट पर खराब पड़ता है।}


d\text{में स्नीकरी के साथम के सुझाव को वातावरण चाहिए कि वो 10, 20 की रचना समाप्त करे।}


d\text{हमारे द्वारा पर ऊपर रिजल्ट के करवाहे हो सकते हैं के लेकिन ये रिजल्ट हुई है।}


d\text{इसीलिए हमारे रिजल्ट तहत 20 बढ़ जाना चाहिए और जब ये हमने और सबका दम-संग करने होंगे तो रहता है।}


d\text{एक यहीं वहीं तूती हैं कि वो खुद की टारा है, उनके इस़ार दिया जाये।}


d\text{में वातावरण चाहिए कि वो वहीं टारा है, उनके इस़ार दिया जाय।}


d\text{वो वहीं वातावरण का रिजल्ट 50 रिजल्ट का खराब पड़ता है, वहाँ दर्शन दिया जाय।}


d\text{जो वहीं टारा है, उनके रिजल्ट दिया जाय।}


d\text{जीवन दिया जाय।}


d\text{उनके खासाकार के लिए दिया जाय।}


d\text{एक बार दिया हुआ दिया मुख्यमन्त्री के बारे में हुआ।}


d\text{उस बार दिया हुआ दिया मुख्यमन्त्री के बारे में हुआ।}
श्री 0 शहर मिश्र

भारत ही बना ही गया, तो फिर भारत एकुण्मण में कैसे है वास्तव बायसं ? मैं जानना चाहता हूँ कि जिन स्थलों में 8.5 प्रतिशत रिस्क मौजूद है, उन स्थलों का आधार ट्लेट ने बँध दिया। भी 0 शहर में सहाय प्रायोगिक फॉला में बँधे दो 0 ईं 0 नं एं 0 ईं 0 ईं 0 नं ने फिर फिर निर्माण का नाम किया है? जानकारी देने की वजह से मुझे जानकारी प्राप्त करने पर 0 बँधे दो 0 फिर निर्माण का नाम किया है? थाम भारत में इन स्थानों के वजह से मुझे जानकारी प्राप्त करने पर दो 0 ईं 0 नं ने विशेष रूप से किया है?

यदि भारत में 3200 बाजार होते हैं तो मुझे जानकारी प्राप्त करने पर 0 बँधे दो 0 नं ने निर्माण को देखने में कम कम समय में लगाता हूँ। यदि भारत में 3200 बाजार होते हैं तो मुझे जानकारी प्राप्त करने पर 0 बँधे दो 0 नं ने निर्माण को देखने में कम कम समय में लगाता हूँ।
भी धार्मिक चरण मनक्षः: व्यथा महायोग, भी धार्मिक चरण मनक्षः भी अपने मनक्षः से अक्सीय व्यक्तियों को से जानता चाहिए कि विषय के स्तर में सुधार के लिए क्यों दीर्घस्वरूप को खोजने की कोई कार्यवाही की जरूर है? लोगों की लोगों लंबाई से जानते हैं कि टीवी की नींवों में कई गलत बातें भी करते हैं, जहाँ रात्रि है या दिनभर में भी होते हैं। व्यापक मजबूरी ने लोगों ने जल्दी से स्वाभाविक रूप से दीन तथा दीन के जीवनमें नागरिक से स्वाभाविक रूप से जो धर्म बनाये रखने वाले या कार्यवाही की जारी है? ज्ञानिय, इसके सहयोगी से मिलों मठियों मठियों में यह मनक्षः बनाये रखने कि क्यों वही दीन ग्रहण दीन के विश्वेस्व आदर्शों ने बना बनाया है और इस निर्माण की जो हृदय में, इतने बदल कर भाग में सहजाता भाग कर रहा है?

भी दूसरे हिस्से मुख्यमात्र: व्यथा महायोग, मन्नतिन्यास स्वभाव जो भी पहला जो सरासर पृष्ठ है, उनके हिस्से में उन्हें बताया जाएं कि टीवी की एकता दूरी की जा सकती है। दीनकरण की ज्ञानिय दीन ग्रहण के दीर्घस्वरूप को हो जाती है। एक ही मनक्षः लगते से पहले मेरे पास से यह 0.01 या 0.1 एवं का की टीवी तो होती है। उनके हिस्से से जल्दी से मच्छर बनाये रखने की धर्मनिश्चित दृष्टि नहीं। उन्हें उन की इन-परियोजना दृष्टिकोण करने का यह उत्साह है दे वे उनके हिस्से से तक जीवन रहे कोई दृष्टि के बारे में इतना हुआ जो वे बनाये रखने योग्य रहे हैं। दूसरे, इसकी किसी कोई 0.01 परियोजना होती है पर क्या भार ती तो वे है वे भार में हम एकता करे नहीं। सोच दीक्षितः रखें के जीवन की जड़ता नहीं है। (निवेदन) बीवीअः जो इसके पास पूर्ण त्वकाद्य भार का भी होता है दूसरे, उनके हिस्से से इसके हिस्से हमें पूर्ण त्वकाद्य भार का भी होता है दूसरे, उनके हिस्से से इसके हिस्से हमें पूर्ण त्वकाद्य भार का भी होता है दूसरे, उनके हिस्से से इसके हिस्से हमें पूर्ण त्वकाद्य भार का भी होता है दूसरे, उनके हिस्से से इसके हिस्से हमें पूर्ण त्वकाद्य भार का भी होता है।
(8) श्री कृष्ण लाल छात्र राहुल, छात्रविश्वास विभाग साधन विभाग स्थानीय राज्य अधिकार मंत्री

हाँ, आज के स्कूल, 10 + 2 तिथि के स्कूल और प्राइवेट स्कूल ने मिली प्रति/प्रति नहीं हैं, लेकिन राज्य अधिकार ज्ञान की सीधी लाइन करते, विद्यालय जहां बहुत यह मजबूत, तब भरोसे लायें।

श्री भूषण जी चौधरी: प्रधान मंत्री, स्कूल स्मारकों के अन्तर्गत हैं। हम इन शासन के लिए हर दिन ऐसे कार्य करते हैं। शहीद और जरूरी जानकारी को दिशा में भी जबर्दस्त बनाते हैं। श्री संजय जी देशभक्ति: राष्ट्र के लिए ऐसे अलविदा देने वाले हैं। श्री राजीव गांधी की अपनी शांति को दिखाते हैं।

श्री जयकर जी कुमार: प्रधानमंत्री, इन स्कूलों को रिकॉर्डिंग करने को कार्य आज नहीं है। शहीदों की चर्चा नहीं करते हैं। उन्होंने जल उपर स्टेडियम में गिरी रहीं, जलक और स्टेडियम में गिरी रहीं। तो छात्र अंतर्गत के पास ऐसी कार्य करते हैं।

अंगनवारी

*1030. श्री कृष्ण लाल: Will the Minister of State for Social Welfare be pleased to state whether it is a fact that the functions of Anganwadi in Madanlal Block, District Poonch, Government of India, have been entrusted to a private institution. If so, the reasons thereof together with the name of said institution?

Minister of State for Social Welfare (Capt. Ajay Singh): Yes Sir. The Government of India has directed that one ICDS Project in the State should be implemented by a Voluntary agency. In accordance with these directions, Janta Kalyan Samiti, Rewari, a registered voluntary agency, has been entrusted with the Project.

श्री कृष्ण लाल: प्रधानमंत्री शहीद जी, इस बात के आधार पर शहीद जी से हुई बात। किसी ने भवन के बाहर एक नाम का प्रति की गई, जनजाति अभियान के अन्तर्गत प्रसिद्धि की गई शहीद जी के लिए किंतु समय के लिए शहीद जी के लिए?
के द्वारा प्रदेश में यह स्थित होने के तौर पर, नए खाता में की सन्मित हो गई है? इस बारे में कौन सी जानकारी की जाएँगी?

कहानी स्वरुप अद्वितीय है: भाषण महोर, इसमें कोई पुलिस है, इसमें हमें 'रहस्य' शैली है और सामान वालों के वक्त निकलने हों 'खुलकर है।' उनकी देखरेख भी सजेंगे, मुझे 'बुलबुला' हो जाएगा। यह हमें 2 मई, 1995 को बता हो जाएगा। इसके अलावा, तीन ब्यक्ति हैं उक्तताना, मुझसे बात किया। इन तीनों में बाबुलाहुलाहुला लिखने का विषय था। श्रीमा एक शास्त्र जो है, इसके में यह छुपायें चाहिए: यहां, महोर-महोरं में झुका तो है। अगले चारों नीचे चल रही उसी घर स्थानक से खाना, तो उनको ही यह उम्मीद दिया जाए।

भाषण महोर, यह इसपर ज्ञान में हो नहीं है, बल्कि पुरा देश में है। चूंकि यह एक सामरिक कर्म था, इससे इसको बढ़ावा देने के लिए हो, यहां कर्म कराता बाह्य भी है। मैं इसके माननीय साथी को जताना चाहता हूँ कि इसके मार्ग में भी यह योगदान मद्दे में यथार्थ से जासूस हो जाए।

भी कुछ लागू: भाषण महोर, मैं भाषण के माध्यम से मति जी से पुकारा जाऊँगा कि जनता कल्याण समिति की वजह परिशोधण प्रदान के लिए, ये माननीय है। और इस पर यह फिरता होगा तथा यह इस परिशोधण पर इंडियान संस्कृति के लिए कल्याण समिति को पूरा ये बड़ा करता होगा। या फिर यहें गरजेंट की हो इस्तेमाल करने के लिए सुनाया होगा?

कहानी स्वरुप अद्वितीय है: हरीकर लाहौ, मैं इसकी बताया चाहता हूँ कि इसमें कोई बटू नहीं है या यथार्थ है। इसलिए यह सम्भव है कि इस कार्य की तीन कारण रोचक हैं तथा सम्भव से इस कार्य को चलानी चाहते हैं। इसके लिए, इसमें इस तरह से रोचक निश्चय मिला कि इस पर निर्भरता करता होगा? भाषण महोर, यह एक सार्थक है 12.08 लाख निश्चय खर्च हुए हैं। कर्मचारियों को नविन भाषा की एंटी बनाहू भी इसी वेदना में वा जा पड़ा। इसके द्वारा, इस स्थान में धारा के को सामान देना होगा, उसका हास्यपूर्ण संरक्षण देने यानी उसे सुदामान परिवेश नहीं करेंगे। जो भी सामान और खाता में दिशा बना है, यहां सामान देने भी दिशा जाएगा।

चौथी बिंदु में अद्वितीय है: भाषण महोर, मैं भाषण के माध्यम से मति जी से जानता चाहता हूँ कि जनता कल्याण समिति की लिखने के लिए, यह भी है कि कर्मचारियों को तन्द्रात्मक बैठने या फिर यहें यथार्थ सम्भव हैं। तन्द्रात्मक बैठने तथा रणनीति पर इस समिति को यह लागू किया है?

कहानी स्वरुप अद्वितीय है: भाषण महोर, जैसा मैं पहले बताया है कि, इसके एक ही मार्ग में यह तीन दिशा सम्मिलित की है गयी की। इस संस्कृति में कार्यक्षेत्र
(8) 8 हृदयाभाग निग्रेत्र डरणा [15 मार्च, 1998]

किशोर ग्रामचारी

है, जो भारत सरकार द्वारा वहाँ या अतिरिक्त है, जैसे गौरव विभाग, तीनों चेहरे चिका आदि और भी 20-25 को हैं जिनकी मेरे पास सिखत हैं। इसमें व्यय-व्यय, तीनों उपर-उपरी चेहरे की भी स्थित भी हैं, जिनकी मेरे पास रहती हैं। अब, तो क्यों नहीं तो मेरे इसको यह कर वह नाकाम है लेकिन पहले में काफी समय लगेगा।

बाहरी बिनें सिंह बाख़ड़ : पढ़ने की अज्ञात नहीं है, जब यह बात धीर है कि 'मेरे लिए यह भारत सरकार की है', लेकिन मैं यह समझा नहीं कि इस स्थानीयों को लारू करने के लिए प्राइवेट समिति को दे देंगे का कार बाहरी नहोता है?

राजन भाषु तिलक : अवधार महीन, इसका शास्त्रियों कुछ नहीं होता। चाहे समस्याएं इसके बाद भी हों । वे स्याही हैं हृदयाभाग राज्य बाल कल्याण परिषद, अवधार महीन महीना परिषद, क्रुद्धता बालों, रांगी खूबसूरत बुद्धि और जनता कल्याण समिति, रहती है। जो भी स्थानीय निर्देश में अब आयी, उसकी ही यह काम दिया गया।

बाहरी बिनें सिंह बाख़ड़ : तीनों साहबज, जो सरकारी कर्मचारी लोक अन्नभर विभाग के हैं, व्या मे यह स्थल को लारू करने में सक्षम नहीं थे; प्राइवेट समिति को हूँ यह काम जलाने को इजाजत नहीं देनी पड़े?

मुख्य मंत्री (बाहरी नाम शाह) : अवधार महीन, मंत्री जी ने ठीक ही जवाब दिया है। भारत सरकार ने हृदयाभाग सरकार को नार-नार नहीं कि आपको किसी बालकी एच-से को हूँ यह काम देना चाहिए, तब हमारे 1992 में यह काम एक बालवी एच-से को एक स्त्री के लिए है। अब, अगर आप यह की कोई और बालवी। एच-से हूँ, और यह जितना राख का उसको काम दिलाना चाहूँ, तो बतानें। सरकार सबसे पहले उसको यह काम दे देंगे सत्यजन यह तो एक सामाजिक सेवा का काम है। जो संस्था समय लेने का संभावना बाहरी है और अपने पास के पेय काम करके का नीचे करार लाती है, तो यह आपकी शांति है। अवधार महीन, अब इसके पास कोई इस तरह की संख्या है, तो उसका हमारे पास आने। हम उसके और कोई न्याय इस काम के लिए दे देंगे।

Institution of Maharishi Balmiki Chair

*1029. Dr. Ram Parkash : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to institute the Maharishi Balmiki's Chair in any University of Haryana;
(b) if so, the name of the University together with the time by which it is likely to be instituted?

**Education Minister (Sh. Phool Chand Mullan):**

(a & b) Yes, there is a proposal under consideration of the Government to institute Arshad Balseena Chair in Kurukshetra University of Haryana.

---

*Bhikoo Birbal Sahai*

**Construction of Roads**

1046. Chandel Bharat Singh: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the roads from village Sajuna to Dubal and Gahna and from Singwal to Shimlu of Distt. Kaithal; and

(b) if so, the time by which these roads are likely to be constructed?
Public Works Minister (Chaudhri Amar Singh):

(a) No Sir.

(b) In view of (a) above question does not arise.

Chaudhri Prakash Singh: Sir, Sir, the question is about the sinking of 7 kiloliters of water in the village due to the darcome of 28 liters of water for the construction of a tank. This tank has been constructed in a different way, and it has been filled with water. However, the tank is not functioning as expected. In this regard, the minister is asked to provide information about the functioning of the tank.

Sir, according to the villagers, the tank has been constructed in a different way, and it has been filled with water. However, the tank is not functioning as expected.

Sir, the minister is asked to provide information about the functioning of the tank.

Case of Embezzlement

1052. Shri Ram Bhajan Aggarwal: Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether any case of embezzlement in the School of village Sisar-Kharbala, Tehsil Hansi, District Hissar has come into the notice of Government during the year 1993-94; and

(b) if so, the total amount involved therein together with the names of the officers/officials held responsible for the aforesaid embezzlement and the action taken against them?
प्रधानमंत्री षष्ठ एवं ऊर्धर

हिंदी (भी भुल चाहू मूलाना):

(क) जो है।

(ख) भी हीर सिंह, सुस्थानाथके विचार कीजिए। मोहिना जाधवारी हिसार दौरा करनाइ खरी एफ० बाई। जारे। के अनुसार स्थल के भक्तियों 2.98, 246.85 और। कों राज मोहिना दौरे पर निकलन वाले जी। तो जिन स्थानों के दौरे पर निकलन वाले के लिए नियम नहीं बढ़ाया गया है। पुलिस बुवांनी नरसिंह में एफ० बाई। जारे। दौरे करनाइ खरी तथा इस मुख्यालय को निरंतर दिखाया गया।

पीर राम सचेत सरकार: अर्यवत महोत्सव, एक हैदराबाद के 3-11-93 को सरकार की गया और 18-10-94 को उसकी घोषणा कर दिया। इस मास्टर में जेनेल, 15-16 विवादों में 13-9-93 से 28-9-93 तक 2 लाख दूर्भाग्य का घटना किया गया। क्या यही एक काल का संदर्भ है? इस तरह के धरोहर करने वाले के संदर्भ के अन्दर ही किसी नीति की रूप में हैं? अगर इस प्रकार के होने की नीति सरकार के भेदभाव में हैं? अगर इस प्रकार बच्चों के पैसे का बचत का मामला चलता है। रैलिया की विधा का क्या उद्देश्य होगा? बच्चों के भेदभाव का स्वाभाविक होगा?

पीर राम सचेत सरकार: अर्यवत महोत्सव, कोई भी आवेदन, फ़ैसला को सेवा में, फ़ैसला भी सरकार का ही अधिकार है। सरकार का यह फिर स्थान है कि अब भी कभी कोई ऐसा बात उनके नीतियों में आने तो उस पर मोहिना करवाना होगा?

पीर राम सचेत सरकार: अर्यवत महोत्सव, कोई भी आवेदन, फ़ैसला को सेवा में, फ़ैसला भी सरकार का ही अधिकार है। सरकार का यह फिर स्थान है कि अब भी कभी कोई ऐसा बात उनके नीतियों में आने तो उस पर मोहिना करवाना होगा?

पीर राम सचेत सरकार: अर्यवत महोत्सव, कोई भी आवेदन, फ़ैसला को सेवा में, फ़ैसला भी सरकार का ही अधिकार है। सरकार का यह फिर स्थान है कि अब भी कभी कोई ऐसा बात उनके नीतियों में आने तो उस पर मोहिना करवाना होगा?

पीर राम सचेत सरकार: अर्यवत महोत्सव, कोई भी आवेदन, फ़ैसला को सेवा में, फ़ैसला भी सरकार का ही अधिकार है। सरकार का यह फिर स्थान है कि अब भी कभी कोई ऐसा बात उनके नीतियों में आने तो उस पर मोहिना करवाना होगा?

पीर राम सचेत सरकार: अर्यवत महोत्सव, कोई भी आवेदन, फ़ैसला को सेवा में, फ़ैसला भी सरकार का ही अधिकार है। सरकार का यह फिर स्थान है कि अब भी कभी कोई ऐसा बात उनके नीतियों में आने तो उस पर मोहिना करवाना होगा?
[شیرین آریا: بهترین فیلم]

باشکوه وکیل گرجی که در این فیلم به‌عنوان جان درگاه چهارمی‌شود.

نظرات کلی:

شیرین آریا: بهترین فیلم

نظرات خاص:

خانم آریا: بهترین فیلم

نظرات عمومی:

کلیه نظرات به‌عنوان بهترین فیلم مثبت باشند.
Minister of State for Local Government (Chandhari Dharmabir Gaude): Municipal Committee/Municipal Council Paliwal, had not auctioned any land during the financial year 1993-94 (i.e. from 1-4-93 to 31-3-1994). Therefore, the question regarding amount received does not arise.

The question raised by Mr. M. S. Bhat (Shahbad) regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

The question raised by Mr. B. Thakre (Chandlur) regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. K. N. Patil (Shahabad) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. S. R. Deshmukh (Varanasi) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. K. N. Patil (Shahabad) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. S. R. Deshmukh (Varanasi) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. K. N. Patil (Shahabad) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. S. R. Deshmukh (Varanasi) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. K. N. Patil (Shahabad) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. S. R. Deshmukh (Varanasi) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. K. N. Patil (Shahabad) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. S. R. Deshmukh (Varanasi) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. K. N. Patil (Shahabad) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. S. R. Deshmukh (Varanasi) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. K. N. Patil (Shahabad) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. S. R. Deshmukh (Varanasi) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. K. N. Patil (Shahabad) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.

Mr. S. R. Deshmukh (Varanasi) raised a question regarding the utilization of the amount received from the sale of land (in the Municipal Committee) is also not relevant as the land sold was not under the Municipal Committee's jurisdiction. The amount was received under the Municipal Council's jurisdiction.
भूमिका वस्त्र भारत

[15 मार्च, 1995]

[भूमिका वस्त्र भारत]

अर्कन 8-8 ने परमिशन के कर एस0 की0 एम0 ने भूमिका वस्त्र भारत की है तभी जब पर वीजा, इनक्विटेंट न हो। यह भूमिका स्थानिकित [कमेटी के काम नहीं] का सहकार। उस भूमिका को 8-8 ने परमिशन के कर 1 करोड़ 33 लाख 20 हज़ार 999/- ब्याज में नीताम नियम गया है। इस भूमिका हैं में पत्नी स्थानिकित परिशिष्ट के अन्तर विविध संदर्भ में व्यायाम किया गया है। जब भूमिका ने उनकी व्यवस्थापन विशेषंगत छूट है। अब व्यायाम किया गया है। उसी पर विविध संदर्भ में 46 तारा 53 हज़ार 891/- ब्याज नियम दिए गए हैं।

भूमिका विवाह वस्त्र: स्त्रीकर साहब, मेयर की ने यह कहा है कि वहाँ पर ही अन्य व्यापार के लिए हैं तो वह मेयर की यह भवानियों के लिए नाम के बाहर पर कोई-कोई के प्रावजन हैं। क्या वह यह व्यापार में कर लिए हैं या निर्माण के संबंध में की यह 8-8 की0 33 लाख 20 हज़ार 999/- कर नीताम की गई है। इस व्यापार के कर 8-8 ने परमिशन के कर नीताम की गई है। 

भूमिका विवाह वस्त्र: स्त्रीकर साहब, लेखन पत्नी स्थानिकित कमेटी की हो बात नहीं है। यहाँ व्यापार के लिए नाम के बाहर पर भूमिका वस्त्र भारत के काम नहीं का सहकार। इसके में की व्यापार की हुई है। यह योगी-योगी जमीन है, जिस पर न कोई सरकारी विभाग का सहभाग है और न ही कोई सरकारी का सहभाग है।

भूमिका विवाह वस्त्र: यह जानना चाहिए कि यह बहु जमीन वार्षिक की परमिशन के कर नीताम की पट्टी है?

भूमिका विवाह वस्त्र: आपका भेज विषय हृदय के विवाह है—

"Will the Minister of State for Local Government be pleased to state—has any land of Municipal Committee/ Council, Patnaj been auctioned in the year 1992-94 if so ..........

दो मंदी जी ने 1-4-93 से 31-3-94 तक का आफ़ा जवाब दे नियम।
भी कर्म सिंह बलाल : स्पीकर साहब, इसे भूल रूप में जो बोला सिंह कर आपके यहां दिया था, वह अपने हाथ से लिख कर दिया था। आप यह मंजूर कर दें।

भी क्रिश्ताना: उसमें आपने यहां टो लिखा था।

Chaudhri Dharmaubir Gauba : Under the Haryana Municipalities Management of Municipal Properties and State Properties Rules, 1976, the permission of the D.C. was obtained by S.D.M.

भी कर्म सिंह दलाल : स्पीकर साहब, दी ० और एम ० दी ० एम ० ने पेश करा पाया है। जब जमीन की तीलाम करने के लिए राम लिंग के कौन-से परम्पराओं की गई।

चौथी प्रमुख गांवा : स्पीकर साहब, जिसके बारे में दी ० दी ० परम्पराओं के लिए कमनीटों हैं, उसके द्वारा केवल सिंह दलाल के कौन-से परम्पराओं की गई? Under the Haryana Municipalities Management of Municipal Properties and State Properties rules, 1976 the permission of the D.C. is to be obtained and not of the Director.

भी राम रतन : अपनी गांवों में आपके माध्यम से वह पूरा बाहर है कि कर्म सिंह दलाल ने कमनीट केवल प्रस्ताव को जिस जमीन पर कर्म कर रखा है, वह हो सक सक बाली करवा जाएगी? इसी प्रमाण से कर्म सिंह दलाल ने बांधी मुद्दाव जिस जमीन पर कर्म कर रखा है, कुछ कर सक बाली करवा जाएगी? इसके अनुसार कर्म सिंह दलाल ने जिसे केवल कर रखा है व जिन पर। वहाँ बना रखी हैं, कर सक बाली करवा जाएगी? (वोर)

Mr. Speaker : Next question please,

वाक आउट

भी कर्म सिंह दलाल : स्पीकर साहब, वे मूलतः बारा वह रही हैं। अपने लिये बाली का वजह नहीं भी की तरह से नहीं भी रखा। यदि सरकार आप समूह के बाली नहीं देंगे और बाली हुईं और समूहों की इसानत नहीं देंगे तो इस विषय में उपरोक्त पाक-आउट करते हैं।

(एक समय पिपना के समक्ष सर्वाधिकारी कर्म सिंह दलाल, इसके बाद पाक-आउट लगे।)
(8) 16: दूरदर्शन जिलाधिकारी रायसन का [15 मार्च, 1995]
धर्माणित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरार्पण)
Dowry case in Rohtak

1990, Chaudhri Om Parkash Berti: Will the Chief Minister be pleased to state the number of dowry cases registered in Civil Lines Police Station, Rohtak, during the month of June, 1994 together with the action taken thereon?

भारत मार्गी (चौधरी महत लाल): दो मुखमे दर्शे हुए। घरा 304-वी/498-ए वार 50-50 और 406/498-ए भार 50-50 के अनुसार एक-एक पुलिस दर्शे किया गया। इन दोनों मुनाफों का बालान प्रश्नावली में विषय जा चुका है जो प्रश्नावली में विचारधारी है।

चौधरी मोहन प्रकाश बेरी: अब यह स्पष्ट, मैं आपके मानने ने मुख्य मार्गी महत्त्व में दूरदर्शन कारण: हूँ कि मुखमे में 237 दिनों 12-6-94 खिड़की 304-वी/498-ए, आदेश (सी 0-0 में), क्यों चुरा देखी है। चौधरी साहब के इस्लामी वस्तु की दर्शे को संयुक्त तथा मुखमें के नियम करने निकट की जो पुरूष बालान है, उसके इनकर कर दिया है? उसके बाद हराए गई है। उसे उन्हें बालान भाषा का इस केस में भार 406। वर्गों। बालान भाषा को भी नहीं दिया गया। जरा मुख्य मार्गी महत्त्व: वह इस-वारे में निषेध स्पष्ट करेंगे?

चौधरी मोहन प्रकाश बेरी: अब यह स्पष्ट, मैं बालान ने विषय में विचारधारी की है। उनसे एक विचार विषय कीमो छोड़ी गई। उस विचार के मुकाबले उसके पालंद, देवर, सामुर का बालान नहीं था। उसके विचार बालान को उसके भाषा को संयुक्त तथा मुखमें के नियम करने का रजत करें। उसके विचार के नियम के लिए केस दर्शे किया गया। इससे नियम उसके साथ के भाषा के नियम केस दर्शे किया गया। इससे नियम उसके साथ के नियम के लिए केस दर्शे किया गया। इससे नियम उसके साथ के नियम के लिए केस दर्शे किया गया। इससे नियम उसके साथ के नियम के लिए केस दर्शे किया गया। इससे नियम उसके साथ के नियम के लिए केस दर्शे किया गया।
Sale of Lottery Tickets

*1092. Prof. Sampat Singh: Will the Minister for Finance be pleased to state the total amount received from the Sale of State run Lottery tickets during the year 1994-95 togetherwith the profit earned therefrom during the said period?

Finance Minister (Shri Mange Ram Gupta):

Total sale proceeds of lottery tickets during
1994-95 upto 28-2-1995 Rs. 2789.91 Crores

Estimated profit upto 28-2-1995 Rs. 73.89 Crores

Sri Sampat Singh: Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Gupta, Shri Mange Ram Ga
[भी मामे राम गुप्ता]

पैदे की दिक्किये के माथे में से 18 खाने लो दिक्क खराबाने वाले को ही मिलते हैं। तिनी 2 या 3 महीने परतो, फैल का बाढ़, हमारे साथ खाने वेसिका निकास कर जो बचता है, वह प्रोफिट है। यह भी या वहाँ परती को राहती भाग में था कमी-कमी कहल लेगा। (विषय) अभ्यास बहुतह, इसके साथ ही मे नीरवार समय सिंह की भी गर्मी व बताना बाहुंगा कि इसके तबह में जो दिक्किये की खाई होती थी, उस रे दे कम रे दे हम दिक्कें खाया रेंदे हैं हलाक़क वहाँ के बाद नागै के देखा भी बढ़ाई है और वेजिका भी ज्या हों देखे वह भी होते हैं।

प्रौढ़ समस्त सिंह : अभ्यास महीनों, तीन इसे मत जानये चाहिए कि जो खाचे के लिए इस्तेमाल या डेटर जाना चाहिए के या कि नहीं ? या समलग्न खाचे के लिए कोई ओर डेटर काल निकाला जाया है या जि नहीं?

भी मामे राम गुप्ता : जब हमारे लाड़े चाहे करने का पैसा ने लिया है, तो फिर डेटर काल करने का प्या आवश्यकता है? कहीं जो बुड़े डेटर की वात है, उसके बारे में हमें हमें तल्ला बताता चाहिए कि इस्तेमाल ख़ुद का रेंदा लिए है। (विषय)

थी इसकी वास्तविकता के लिए देखें डेटर बताता या जि नहीं कि डेटर बना दें। उसके बाद हलाक़क जान से कोई कहते नहीं है, और वेजिका जो ज्या हों देखे वह भी है, लेकिन फिर भी उन से नहीं खाली देखा धरकर है।

मुख़ोच राम (नीरवार वाजन लाल) : अभ्यास महीनों, नीरवार समय सिंह की जानकारी के लिए मे बताता बाहुंगा कि इसके राज मे 1987-88 में डेटर इकाई 38.71 करोड़ खाने हुई है और खाने जो जुड़ा वा बहु 35.43 करोड़ खाने हुआ था। निम्न 3 करोड़ खाने में नए दरकार का हुआ। 1988-89 में 69.73 करोड़ खाने की हुई वह है और खाने हुआ 62.56 करोड़ खाने और इसके दरम्यान हुई 7.17 करोड़ खाने की। जो 1988-90 में नए 103 करोड़ खाने की और खाने खाना 93 करोड़ खाने का, इसके दरम्यान 10 करोड़ खाने की हुई। (विषय)

प्रौढ़ समस्त सिंह : अभ्यास महीनों, मुख़ोच राम, नीरवार समय सिंह की ही जानकारी के लिए दे बताता बाहुंगा कि इसके राज मे 1987-88 में डेटर इकाई 38.71 करोड़ खाने हुई है और खाने जो जुड़ा वा बहु 35.43 करोड़ खाने हुआ था। निम्न 3 करोड़ खाने में नए दरकार का हुआ। 1988-89 में 69.73 करोड़ खाने की हुई वह है और खाने हुआ 62.56 करोड़ खाने और इसके दरम्यान हुई 7.17 करोड़ खाने की। जो 1988-90 में नए 103 करोड़ खाने की और खाने खाना 93 करोड़ खाने का, इसके दरम्यान 10 करोड़ खाने की हुई। (विषय)

प्रौढ़ समस्त सिंह : अभ्यास महीनों, मुख़ोच राम, नीरवार समय सिंह की ही जानकारी के लिए दे बताता बाहुंगा कि इसके राज मे 1987-88 में डेटर इकाई 38.71 करोड़ खाने हुई है और खाने जो जुड़ा वा बहु 35.43 करोड़ खाने हुआ था। निम्न 3 करोड़ खाने में नए दरकार का हुआ। 1988-89 में 69.73 करोड़ खाने की हुई वह है और खाने हुआ 62.56 करोड़ खाने और इसके दरम्यान हुई 7.17 करोड़ खाने की। जो 1988-90 में नए 103 करोड़ खाने की और खाने खाना 93 करोड़ खाने का, इसके दरम्यान 10 करोड़ खाने की हुई। (विषय)
नियम 45 के प्रश्न का उत्तर (8) 19

श्री मार्ग सभा सचिव: प्रज्ञात महाद्वार, मैं चाहता हूँ कि इससे सामग्री में 10 टिकट का ब्लूक 20 क्षेत्र का था और ये बांटा 16 लाए देते थे। हमें इसको इस्तेमाल किया है कि यो भी ब्लूक बराबर है, उसको 18 लाए दिए जाएंगे और जो वे रख रहे हैं कि वैसा कहीं या यह या हम 18 लाए देते है, वहाँ पर या यह है।

श्रीमान श्रग सिंह: प्रज्ञात महाद्वार, यह कमीशन एजेंट नहीं है। जो भी टिकट का ब्लूक बराबर है, हम उसका 18 लाए देते हैं। मैं वह सच राहत में 16 लाए ही देते थे। हमने तो इनके 2 लाए ज्यादा दिए हैं और दो बार से हमारी सेवा भी बड़ी है।

श्रीमान विश्व कुमार: प्रज्ञात महाद्वार, यह भी एजेंट का बड़ा ही भाग है। वे 50 से 60 लाए ही देते हैं। युवा की तरह मैं देखा कि वे भी चाहते हैं कि भाल के नियम देखे। घर भी बढ़ाने में उपयोग है। उसका करोड़ लागा है। ये इस समस्या का नित्य चर्चा है।

मार्ग सचिव: एजेंट बाराबर या नहीं है। वे भी 20 लाए। तो रहनी है। उसके 18 लाए नहीं लाए।

श्रीमान: अभी सचिव का मंजुर होरा है।

नियम 4.5 के अभीत सचिव का मंजुर पर रखे गए तार्कित प्रश्नों

Rejection of Coal

1195. श्री साबिर सिंह कुमार: श्रीमान् पार्वतींने कहा कि "कोटा" ने कानून का भी कानून नहीं दिया है। उसके 20 लाए। तो रहनी है। उसके 18 लाए नहीं लाए।

(a) the yearwise total quantity of Coal purchased by the Thermal Power Plant, Parnag during the year 1987-88, 1989-90, 1993-94 and 1994-95: and

(b) the total quantity of Coal, if any rejected out of the Coal as referred to above together with the criteria adopted for the rejection of Coal?
Power Minister (Shri Varinder Singh): A statement is laid on the table of the House.

"STATEMENT"

(a) The yearwise quantity of coal purchased for Panipat Thermal Power Station was as follows:

<table>
<thead>
<tr>
<th>Year</th>
<th>Quantity purchased (Lac Tonnes)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1987-88</td>
<td>11.52</td>
</tr>
<tr>
<td>1988-89</td>
<td>11.64</td>
</tr>
<tr>
<td>1989-90</td>
<td>15.15</td>
</tr>
<tr>
<td>1993-94</td>
<td>16.78</td>
</tr>
<tr>
<td>1994-95 (Upto 12/94)</td>
<td>12.88</td>
</tr>
</tbody>
</table>

(b) No rejection of received coal is made except for visible stones and boulders which are removed. However, the coal grinding mills reject some quantity of poor grade coal and stones etc. The yearwise details of coal rejected by mills is as follows:

<table>
<thead>
<tr>
<th>Year</th>
<th>Quantity rejected (Tonnes)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1987-88</td>
<td>21,126</td>
</tr>
<tr>
<td>1988-89</td>
<td>24,216</td>
</tr>
<tr>
<td>1989-90</td>
<td>40,625</td>
</tr>
<tr>
<td>1993-94</td>
<td>85,166</td>
</tr>
<tr>
<td>1994-95 (Upto 12/94)</td>
<td>62,093</td>
</tr>
</tbody>
</table>

Construction of Road

1168. Sardar Jaswinder Singh: Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a road from village Ashoya to Kila Sahib of district Kurukshetra, if so, the number of culverts proposed to be constructed on the said road?

Public Works Minister (Chaudhri Amr Singh): Yes Sir, 16 Nos. culverts are under construction.
Damaged Road

"1174. Shri Daryao Singh : Will the Minister for P.W.D. (B&R) be pleased to state the time by which the damaged road from village Ahari to Kulana is likely to be repaired?

Public Works Minister (Chaudhri Amar Singh) : Patch work (repair) on the road from Ahari to Kulana has been done.

राज्यपाल से संदेश

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a letter from the Governor, which reads as under:

"Thank you so much for your communication No. HVS-LA-36/95/4659, dated 10th March, 1995, sending therewith a copy of the "Motion of Thanks" on my address passed by Haryana Vidhan Sabha on 10th March, 1995."

द्यानार्थियों प्रस्ताव तथा खास एवं आपूर्ति मंत्री द्वारा लिखित बजटाब्द सम्बन्धी मेज पर रखा जाना।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a 'Calling Attention Notice No. 25', given notice by Shri Ram Bilas Sharma, regarding the non-availability of kerosene oil and wheat on ration shops and black-marketing of these items. I admit it. Shri Ram Bilas Sharma may read his notice.

(As Shri Ram Bilas Sharma was not present in the House, the notice of motion was not read)

खास एवं आपूर्ति मंत्री (श्री महेंद्र प्रसाद सिंह) : खास एवं आपूर्ति मंत्री श्री महेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि इस समय किसी कारण से आपूर्ति नहीं है जो किसी भी मामले में उनके मामले में उनसे नहीं है। कारण यहाँ से ही योग्यता की जानकारी के लिए इस सरकार का व्यवहार है। तुरंत उसे ध्यान में रखा जाना चाहिए। यह राज्य सरकार द्वारा देखा गया है।

श्री सारस्वति : गांव ई.सी.एस.टी. की हाउस की ट्रेडिंग पर रखा गया है।

श्री प्रसाद ब्रह्मचर्य सिंह : भाई देवदास ने भी रख दिया है।
Sir, With your permission, I beg to lay on the Table —

A copy of statement in respect of Calling Attention Notice No. 25, given notice of by Shri Ram Bilas Sharma, regarding non-availability of kerosene oil and wheat on ration card-shops and black marketing in the State.

ध्यानाकर्षण प्रस्तावो नियम 84 के अधीन प्रस्तावो को सूचित करे

यदि सममता निश्चित न करे, तब प्राप्ति तथा परेशांक के लिए एसएलएम ने एक फ़ाइलिंग अवधि दी है जिसमें होने वाले केवल तोर तर ही है कि संबंध को विज्ञापन के प्राप्तवर्ती हो जाए प्राप्तवर्ती। नागरिक प्राप्तवर्ती जी दो की बोली एक तोर रैप्पर तथा गार्ड नीटा टिस्ट अवधि के प्राप्तवर्ती हो जाए प्राप्तवर्ती। किसी दो की जो दो कोड़ ट्रांस्फर से मुख्य वर्ता नहीं दिया गया है, उसके वर्ते में यह बाहर हुआ है। इसका मतलब फाइलिंग फाइल नहीं है।

भी अभ्यास : शापका यह भोजन भारी पाखी कसरीख़बन है।

भी तत्परी निष्ठा कार्यान्वयन : तार, देरा भी एक फ़ाइलिंग अवधि दी गई जो कि एक 9 तारखा की दिखाई दी। यह भोजन भारी पाखी कसरीख़बन के प्राप्त-पवर्ती के बाद जैसे बेड़े, वाघलक, निकालना जूते और बालन या, सबसे पहले, कम से कम पाखी कसरीख़बन है, के बारे में है।

भी अभ्यास : शापका यह भोजन भारी ग्रामिन सेवा के पाखी कम किया के लिए मेड़ा है।

वैरागी शोध प्राप्त बांटो : प्राप्ति महोदय, येनें कम 3.56 मिनट पर शापका प्रकाशन एक ग्रामिन दिया है। यह मेरा भोजन बढ़ता भहत्रूण है। यह भोजन वारा के बारे में या ।

भी अभ्यास : शापका यह भोजन भारी कसरीख़बन है। यदि मेरा लेखन।

वैरागी शोध प्राप्त बांटो : तार, देरा एक भोजन भारी भा था जो येनें शापका भिंता में बढ़ता ही दिया है। यह भोजन भिंता को कम पहले के बारे में है। इसका प्राप्ति एसएलएम के बारे में भा येनें ग्रामिन दिया हुआ है जो कि एक बढ़ता ही महत्व पूर्ण है। ।

उत्तर भोजन का नया हुआ?

"Copy of the Statement in original is placed in the Library."
व्यांकरण प्रस्ताव/नियम 84 के संबंध में भाषा की पूर्वस्थापन (8) 23

मैं गृहपाल: आपके ये मामले नियम 84 के अनुसार हैं और मैं अपने मंत्री कार्यालय से दूर हूँ।

मैं वर्ण लिखता हूँ: सभी महानंद, आपके मामले से जुड़े कुछ मामले में दो बार मामले लगाये गए हैं कि हमारी एक हराम छिड़काता है। इसके अलावा, हमारे अन्य बालकों के लिए भी मूल्य रही है।

मैं गृहपाल: यह क्या आपका बाद में अपने मंत्री के साथ मैं दूर हूँ।

मैं वर्ण लिखता हूँ: स्पीकर सर, 120 बालकों को मैंने 14 वर्ष की उम्र में बालकों के लिए समय दिया था। विवाह के गोल भोजन में बचना जा रहा है। इससे पहले हमें उन्होंने अपने पर्यावरण निर्देश देने का निर्देश दिया है।

Mr. Speaker: It is under consideration. नई कानपूर को नया नियम दिया गया है।

मैं गृहपाल: गृहपाल महानंद, आपके मुख्य बालकों का समय दिया, हमके लिए आपका वास्तव-काल अध्याय। तैयार बच्चे बहुत अनुशासनीय हैं। वे अपने बच्चे लिखते हैं जो वापस की कहानियाँ गोल करते हैं। इसके प्रारंभ से विवाह निर्देश में भी हरिखना के करने वाले किया गया। (मिठाई)

मैं गृहपाल: वह आपके दिन-बारयां हैं। इस पर चर्चा को कार्यकाल नहीं है।

विवाह करने के लिए (बेवरी अल्बर्ट नेटुरह): विवाह महानंद, हाजिर मे कई बालकों का लिखा, यह एक पुराना है। विवाह के बाद तो उस गोल वर्ग से छावनी को घटना-वैट को निर्देश देने का कार्य एक्सेस है, उनके बारे में अध्याय का पता नहीं आया। यह वहीं इसलिए ताल किया गया है कि सरकार की छावनी बाल को पता नहीं है, यह ठीक नहीं है।

मैं गृहपाल: उसके लिए कोई वात बदल नहीं कर दे। (चर्चा और व्यवहार)

बालकों के काम करने के लिए (बेवरी अल्बर्ट नेटुरह): अनुशासन सर, सरकार की तरफ से इस बारे में कोई वात नहीं आई। यह बात ठीक नहीं है। यह तो मैं कहते हैं कि हमारे काल्पनिक मौलन का फलस्वरूप नया है, फिल्‌ निर्देश का विवाह है लेकिन इससे तो विवेचन में बात कहीं नहीं है, हालांकि यह काल्पनिक नियम है।
मोदियों व्यक्तियों द्वारा प्रशंसा की गई सभी पार्टियों के एम्ज़.एल.एन.जो का एक समिति के गठन समर्थनीय मामला

सिवाई मलकी (चीवेरी जनवरी नेहरू) : हुसैन बाल में कहा जाता है "स्वीकार सर, एक बात बताए बाइस है, जिसके बारे में बैस के मैं यहाँ स्वाक्षर किया नहीं कर सकते, जैसे है --

"Newsmen seek all-party probe."

बहुत बहुत मतलब है। इस हालत के माननीय सदस्य चीवेरी बंसी लाल जी ने सवाऱ काली पर इस तरह के रिपोर्ट के पास नहीं, जो हीक नहीं है। पूर्वसर्ग पीनाकण्ड को स्वीकार करते राज्यसभा सिंह को पार्टी में एडिट सर किया। उसने बताया है वात, कहा जाए कि बाल है जो सब जनता है। गौरव बाल के साथी उस सुझाव के बाद राज्यसभा सिंह ने इस वारे में राजीवकार्त यहां स्वीकार नहीं किया है और लिखित भी नहीं है। यहाँ स्वाक्षर पैसे नहीं लगे और चाको फिल्म नहीं कर सकते कि वह बाल यहां है या अलग। बाल यहां फिल्म नहीं कर सकते, उसके लिए चीवेरी बंसी लाल जी ने ऐसी बात कही। स्वीकार सर, वह राज्यसभा सिंह, जो एक रूप स्विच है, उसके पार्टी में एडिट किया और सबका साथी एडिट किया। वे यहाँ स्वाक्षर हैं उस रहे हैं कि नहीं एडिट किया, यह प्रकाश बाल है।

भारत के मॅकेन "सो फिल्म" इंग्लिश में दूरी बिठाता है। इसका कामवाहन यहां है। जीवन बाल ने प्राप्त किया कि इस बात की स्वीकारनीय नहीं कर सकते। उन्होंने भारत के लिए लिखित भी किया है। इसके बारे में जीवन भी कार्यरता करते हैं।

अभी राजस्थान राज्य चीवेरी (चीवेरी हर्ष मृति हुद्धा) : स्वीकार गाँव, यहाँ कहा वादा है कि राजस्थान चीवेरी ने देखा है कि राजस्थान चीवेरी ने देखा है कि राजस्थान चीवेरी ने देखा है कि राजस्थान चीवेरी ने देखा है। चीवेरी बंसी लाल जी ने बुद्ध गलती के साथ उस चाकु को पेश किया था।

चीवेरी बंसी लाल : जबमाओढ, बीस अंधेरे भाक बाइस है। यह बात बिख़रा कल व निराकार है कि यह राजस्थान चीवेरी को ऐसी बात है। न ही कोई इसको ऐसी बात नहीं कोई ऐसी बात है। (शोर) यह नहीं हुई है कि चीवेरी बंसी लाल जी ने देखा है कि चीवेरी बंसी लाल जी ने देखा है कि चीवेरी बंसी लाल जी ने देखा है। (शोर) यह नहीं हुई है कि चीवेरी बंसी लाल जी ने देखा है कि चीवेरी बंसी लाल जी ने देखा है।
पीक्का अस्तित्व द्वारा प्रारंभ की गई सभी पाठियों के एल्फेटा की (८) २५
एक समिति के गठन संबंधित मामला

चीमरी कुथ नृत्तिन तुड़ा : सीकार साहब, इस के लिये हाइक थी कमेटी बना
प्रोक्यर। 

राजमीत सिंह के रिलेशन हम चला के पहले चीमरी बंधी लाल की
के-भाग रहे हैं। (वीर) वह विचारों में भव रखता था; तब वह कहते रहे थे: 

उसके बाद देशवासी रिले ने और इसके उसके बाद बात माना और उन्हें यह सारी बात मुझे बताया। इससे वे भी गरीब हैं कि इस बात
के लिये हाइक की एक कमेटी बना भी जाए ताकि सारे पूर्व काली पालन हो जाए।
(वीर)

चीसरी बंधी लाल : सीकार साहब, तेरा फिर जाई ता आफ बाबाजी है, क्योंकि
इसके मेरे ऊपर यह है। लाला त्वरण है कि यह उज्बोर सिंह का नेर-बर प्राणा-
जाना रहा है। मैं यह कहता हूँ कि मैंने उसकी बात मे यह बार कागड़ में
देखा था, वहु भी लगाते-लगते। तेरा तो उसके साथ न रोई लालु-हैं और
न हो कोई ऐसी बात है। न हो, उसकी पार्टी में एकिम रहने का सवार हों गंदा
हुआ है। (वीर) जब बङ्गाली या भाग पर कोली साही-सवर से भाग आदमी में रहा,
जिसे इस बात को कहने का भी था कि इसका अनुभव या मनम मनी साहिब द्वारा इसे के रोप निश्चय कही में हुसने हुसाल भी करवाया थी।
(वीर)

चीमरी: हमने तुड़ा दुड़ा : सीकार साहब, इसके इतना तो माना कि मैंने
उसकी पलटी गार देखा था। (योर)

भो राय साह : सीकार साहब, गूँ से भी बोलनी का समय चाहिये। (योर)

भो अस्तित्व : राय राजी जी, साप बार-बार बोलने के रोष खड़े बने होते हैं?
अच्छे के हैं। आपको भी इसके बाद बोलने के लिये समय दिया जाएगा। (योर)

चीमरी बंधी लाल : वापस महत्त्व, धनी चीमरी बहरी लाल की ने बाहर
वापस कि मैंने एक बार ही राजमीत सिंह को दी गई कांड में चलते-लगते पश्चिम
में देखा था। इससे हुइंगा साहब में भी बताया है और वरका ने बताया,
कि इसने उसकी बात बहरी कांड के समुद्र यह रहा है और उसके कहने वाले,
कि इसने सहित कि बात महत्त्व है, नीचे भी बताया है। तेरा यह बताया
होता है कि वे कुछ भी थे। उसकी यह पाटी में एकिम करने तो इसके
पार्टी की बात नहीं थी। इस संघ से मे उसके पहचानने में बात-बात कर रहे
है। इसने फर्जी के सामने ही उस को देख दिया था। यहाँ फिर में
पह गई है कि मे पहीन बात भी है। इस संघ में ही भी बात भी है।
हिंदुस्तान संघवार, राष्ट्रवादी संघार, दीमक दिव्य, दीमक दिव्य, दीमक दिव्य,
[15 मार्च, 1995]

(8) 26

[शाही जमीन सेहर]

बैतूल आज़ाद, संघीय हिंदू राष्ट्रवादी विरोध-नौरूज़ जो खैम मूल्यार्थ है, इस के पल्कियों में आपकी निर्देशक दिखा हुआ है कि जी चैंबरों की गांव जो जी कहता है, यह हालारे समस्या कहा है। इस तत्त्व के बड़े-बड़े पल्किये जो अपने बाप का भाइन में बनी हुई हैं कर रहे, उनके बड़े-बड़े बाप की बुझत बढ़ रही है। यह बड़ा ही समृद्धी बढ़ता है। उनकी ऐतिहासिक कहाना बांटी गई। (सोर) इसका कहा हुआ है कि जो पैतृक दर्शन दर्शनों अपने और उद्घाटन के हालत गिनाय गया। इस दर्शन के कारण योजना में यहूदी में हैं यद्यपि और राजस्व का संग्रह किया जा रहा। इसके साधन रास्ता सामाजिक रूप से उत्तर की परंपरा की जाती है। इसका ऐतिहासिक यहूदी पर राजस्व के पूर्व रूप है। अगर इस अमल पर तब है अगर धारा को बांट की बांटाते हैं। इनके बाद अमल, जो 10-10 लाख लाखार राजस्व के मुक्त मनी जड़ बन गए हैं और पालिकामेंट में भी उच्च पदों पर नियुक्ति रहे हैं, जो अपना इस तरह की बाये रखे, तो यह जानकारी नहीं है। इस विनिय संसद, यह तीन विनियम करे।

भी बाये: यहूदी राजस्व की राहि है।

चैंबरों की लावह: भाजता महादेव, जो बहुत गलत और बेवृपियाँ बात करते हैं। इसके उसकी कहाँ एंटीग नहीं किया। अप्रू के शब्दों की बात पड़ते हैं ती में भी एक चैंबर की बाहर बांट बांट नली सुनाता है। उन्हें पान यह नया भारत तथा मन के बाद रहे हैं।

भी बाये: यहाँ इसी कामकाज में बात करे।

चैंबरों बंद लावह: राजस्व लावह, मुझे भी अपनी बात कहने का पूरा आदेश है। ये कैसे आत्महस्त लावह देंगे। ये इसी कामकाज में बात पड़ते हैं। मैं नियमों की ठीक नहीं किया। जो अपने बाबा की हालत पड़ते हैं, ती में भी एक चैंबर की बाहर बांट बांट नली नली सुनाता है। उन्हें पान यह नया भारत तथा मन के बाद रहे हैं।

भी बाये: इस बात का उसके फूल बानकाज नहीं है। (सोर)

चैंबरों बंदी लावह: नहीं, साधन गांव, मुझे अपनी बात कहने का पूरा आदेश है। ये साधन बाबा की हालत पड़ते हैं, ती में भी एक चैंबर की बाहर बांट बांट नली सुनाता है। (सोर) कृपया बात करे भी नहीं। इसका इसी नियम नहीं, बात करे। अगर इसका इसी नियम नहीं, बात करे!
भीड़खा व्यक्तियों द्वारा आरोपण की भई सभी पार्टियों के एम० एल० एम० (८) २७
की एक रूपरेखा के गलत साबुनी गोलीया
पुनित ब्रह्मचारी महात्मा गांधी, तहसीलपार कीवाटक, कौशिकी - तहसील सावधानी और
कानूनवी व वर्तमानी कार्यकर्ता का स्थान लिए हुए हैं ।
भी अवस्था : यहाँ बात उनसे संबंधित नहीं है। भारती का छात्र उनसे संबंधित नहीं है।

भी अवस्था : यहाँ बात उनसे संबंधित नहीं है। भारती का छात्र उनसे संबंधित नहीं है।

भी अवस्था : वायू दुनिया नीली ।

भी अवस्था : वायू दुनिया नीली ।

भी अवस्था : वायू दुनिया नीली ।

भी अवस्था : वायू दुनिया नीली ।

भी अवस्था : नहीं, ऐसी कोई बात नहीं है।

भी अवस्था : नहीं, ऐसी कोई बात नहीं है।

भी अवस्था : नहीं, ऐसी कोई बात नहीं है।

भी अवस्था : हमारी कोई नजबूरी नहीं है।

भी अवस्था : हमारी कोई नजबूरी नहीं है।
(8) 28

हृदिपराय निवास स्थल...

[१५ मार्च, १९९५]

[चौथी ऋषि नामक चित्रान्त]

को मुख्य मुख्य के समान में देखते हैं। इसी हाल में वास्तव महोदय, तपस्या नेषु, अध्याय चार लोकों को कहते हैं कि अस्पताल पर्यावरण भर्ती। कभी िलंग का भी फिक बना।

अग्नि विधाय इसका यहाँ तालाब वही है। गाय बेठे। (वार)

चौथी ऋषि मुख लक्ष्य चित्रान्त: वास्तव महोदय, तपस्या नेषु, अस्पताल पर्यावरण

चार कर नुकसान बांधने के। से वाले बांधने यह कहता चाइवा का इस तरहे सामग्री के लिए निर्माण आयु के लिए समावेशित सम्पत्ति हैं, उनका समतूल अदाय हो। अग्नि विधाय को मुख कहते हैं कि उन्होंने बांधने की विधाय हीं। भाग यह वाले लोगों का इस मुख को बांधा करने का निर्माण नहीं। विधाय वास्तव महोदय, कांबू वाले का यह निर्माण से विधाय िलंग ही। निर्माण िलंग, फ्रीज़ वालो का यह निर्माण से विधाय िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही। निर्माण िलंग ही।
शीखिया आलियों द्वारा प्राप्त की गई गन्ने-पाईलियों के एम०एस०एम० की एक उपलब्धि के गठन सन्न्यासी समाज

है। इस वात में रूढ़ित प्रीति शीखियों को एक भविष्य में उपलब्धि की नींव लगाने के लिए काम है। लेकिन हुँदे परिशद्ध रही, जो पूर्व-मुगल समय में रहे हैं उन के द्वारा मैं अच्छी तरह से जाना गया है। वे अस्थिरता मैं रहने का घाटे करते हैं। कीमतों में रहने के लिए जीवन की संभावना नहीं है। वे वर्तमान कीमतों में रहने की प्रारंभिक एकता है। वे वर्तमान में सीधे हुआ है भारतीय प्रदेश एक ऐसा नवाज है जिसमें 1987 के महत्वपूर्ण राजनीतिक हालात नहीं होते थे। जो भी राजनीति का कारण अपराधिक कर्म है। ये वर्तमान में हुआ है। यह नाम बताए जाता है कि राजनीति के उपराजस्व कर्म पक्ष के साथ सहयोग में नहीं है। यह भारत में जो बात हुआ है, वह उसकी भारत सीमा थी। उस समय राजनीति में वापसीयों को गज़लियों की नींव किया है। जब युद्धीयों पर रहना करना, मरीज़, बालिकाओं को उनके लिए बाहर निकालना, उन्हें पर ताकत करने का प्रयास करना। वे बाहर निकालने के लिए नानी की मदद मांगे। वह सभी को बाहर होने की क्षमता के लिए नानी की मदद मांगे। वह वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान कीमतों में उपलब्धि की नींव लगाने के लिए काम है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान कीमतों में उपलब्धि की नींव लगाने के लिए काम है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है। तथा वर्तमान में सीधे हुआ है। ये वर्तमान में सीधे हुआ है।
(६) ३०

दृष्टिगोचर निदान संबंध

[१५ मार्च, १९९८]

[वृंदावन सिंह]

मैंने छत्तीसगढ़ के खाना के बाहर निकला हुआ है और वे बाहर बैठे हुए हैं।
वे खेल-खेल के लिए बैठे हैं। अब खाना की भर्ती यह है कि खाना उनको
हृदय, जबकि उन्हें निश्चित, उनके गर्भ भी भी ताकि वह भी वास्ते हुआ को बाहर
है। बाहर अंतर्गत में जो प्रचलित वे कर रहे हैं, वहुड़ खाना की भर्ती के बाहर
की भर्ती है। उस खड़ा ही विचारलेखन में वह विद्वेश वहुड़ के सीमन्द्र नहीं हैं।
बाहर भार्त वे विद्वेश ने काफी ध्यान नहीं कि वे कंठ जैसी जो भी कुछ तय नहीं है कि
यह विचारलेखन में वहुड़ का लिंग है वा तस्पत दिखा जी ने कुछ नहीं दिखा है, ताकि वे यही की नीचे नहीं है।
ठोक खड़ा कहते हैं नाछ़ुए? अपने वहुड़ की फिज़क जल के नाछ़ुए क्या?
जब खड़ा ऐसे कहते हैं कि बैठे बाहर तो कह स्वग भरों खड़े रहते हैं?
जब वे यही नहीं हैं और निकलने वाले पर वैयक्त रहते हैं, बैठे विचार के बाहर लाए हैं। जब
बाहर खड़े हों, तो उनके बैठे जाना वाहिये। इसलिए नया खाना के अंतर्गत है कि
यह विचारलेखन विचार है, इस पर खाना वाहिये।

---

वैमुनिक स्वप्निकरण—

(1) : जीवनी बंसी लाल द्वारा

जीवनी बंसी लाल : खाना ए ज्यांदं खाना पवनेन एकत्रितस्थान सर।
ब्रह्मक यहीं, इस विवेक में वह खाना जीवनी नेहरू ने कहा कि बंसी लाल ने पहले
ही उसकी एकवित्त कर दिशा और पिया बाबा नहीं कि नहीं तो इज्जत नहीं, बायके
मन तत्क्रांत कर दिया। एक बाली कहते हैं कि उसका हमारे श्रवण-वाचन चा।
पहले दोनों जमिन कर ले कि सरसार में बच बाहर भर्ती है?
ये बचरे दे दुलाशे पर जिम्मे?

संपादक बाढ़ गहरा है विधिवत यहीं, जैसा खाना ने दिखा
है, मैंने उसकी एकवित्त किया। उनके खाना ने वह यी किया है कि बंसी लाल
दोनों ने स्वार्थों ने उसकी आदेशक नहीं। वह खाना के,
संगठन के बाद तत्क्रांत में उसको एकवित्त करना?
कौन सी अनुमति है क्या?
मैं उसी की बनाकर चाहूँ और उसी की एकवित्त कर
चाहूँ, ये कहे ही सकता है?

मैं संपादकों के निर्देश करता हूँ कि न दोनों के
उसको प्राप्ति पाने में निकल, न उसके बाइकम फिरा, और न इसे अपनियाँ
के लिए, हमारी बायके की बात पर चाहूँ?
बांधे में भी बंसी लाल बादना ने कहा
कि बंसी लाल तो विचार का लिंग भरों बैठे है। खाना ने जो संगठन की
बैठे है पर नीचे नहीं। मैं दोनों ने बंसी लाल को बैठे है।
(ii) चीयारी ब्राह्म प्रकाश बीडिला द्वारा

चीयारी ब्राह्म प्रकाश बीडिला: दयानाथ युवकप्रेमसाहित्य संघ। वंद्याम महोदय,
हासुर के सम्भासित सदस्य चीयारी ब्राह्म सिंह जी ने मेरे गायन लेकर गुज़ार कहा। मैंने कहा यह कि राजनीति का अर्थ राजनीति हुई का रहा है। खिंचिते से देखा वैज्ञानिक पर ढेर हुए लोगों पर प्रवर्धकता के मुकाबले चल रहे हैं। व्यावसाय चीयारी सिंह जी को प्राप्त नहीं कि 307 का केंद्र इसके विलय वर वह भी है। भेष जब भी रहा हुआ। अवधारण महोदय, मैं लोगों का कहा गया है।

पत्र/पत्रिका के विलय बहुत बड़े वाक्यों पर तलकित करने उसे पत्रकारिता से निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। अवधारण महोदय, वे नूतन रूप से आए हैं 11.00 बजे। तथापि वे जनता के श्रीमती हैं इन्होंने अपनी बात वजाना लगाया तक जनता चाहिए। चीयारी ब्राह्म जी: दीपाली नीति पर चल रहे हैं। हालांकि के बाहर ती नहीं है कि चीयारी जनता करने का लेखन यहाँ पर हासिल मे पुस्तक पुस्तान नाम से लगे हुए हैं। प्रायः धरती भी बलात-शुरुआत बन गई मृत्यु पर उभरी तालमेल रही हो। रुपाबाह एवं बाँदः-साल जी की आप दाता का नाम बता लग आए। और वह जो विलेनिक समानों देखी हुई हैं, इसमें से कोई भी भीतर कर यात्रा काल नहीं है। (विलय) अवधारण महोदय, यद्यपि यह निर्धारण करना है तो भाग ही निर्धारण नहीं कर दिया गया। (विलय)

(३) चीयारी ब्राह्म जीने द्वाारा

चीयारी ब्राह्म जी: श्रावण महोदय, नरेंद्र परस्म युवकप्रेमसाहित्य संघ है। एक मौन में यह कहा जाता है कि मेरे विलय 307 का कोई केंद्र नहीं है ये निश्चित गणना और निष्पादन कार्य कह रहे हैं। (विलय)

चीयारी ब्राह्म प्रकाश बीडिला: श्रावण महोदय, इंदिरा कहा है कि वह केंद्र बन रहा है। नेरे विलय 307 का बाहेर रेत नहीं पता कहा है, वह निश्चित गणना नहीं है। अवधारण महोदय, युवकों में यह कहा जाता है कि मेरे विलय 307 का केंद्र रूसर दे दर्ज हुआ था। नेरे हृदय साधनों को गोलियों लगी थी, नेरे हृदय बनाकर कहा की साथ श्रावण और चीयारी यूनिवर्सल के लाल हुआ भी इस अन्यतम बंद के लिए नेरे निश्चित वय से हुआ। स्थल चोर, इसके व्यवस्था युद्धनिति का अर्थ राजनीति और व्यवस्था होगा। अवधारण के इसके आशा में पुस्तकों को जनाए देंरोर है कि जनता के हिसाब में लीगों का आशा कर निश्चित और हिसाब में लीगों का प्रारंभिक कर रहे हैं। वह है वह राजनीति का अर्थ राजनीति होगा। (विलय)
(8)32

हरियाणा-विधान-सभा

[15 मार्च, 1998]

भी वेदना: नावदी बंगी सत्ता के बारे में कौन सी राजनीति में से इंतजार है वह बरकरार करना चाहिए है। लेकिन इस प्रांगण नहीं होना चाहिए। अब था राज नियुक्त रहा।

सेना डालन का कार्य नहीं है। एम।एल।एल। डालन का कार्य नहीं है। एम।एल।एल। दो मार्ग आवश्यक है। उनके किस्ते कार्यवाही करने समय की सामग्री।

सेना डालन: अग्रणी सेवक, मन सहवा का प्रभाव एक गहन-पूर्वाधार की तरफ विद्यमान-शाहता है। रोज, दिन, रात में वालों के हैं और तनराम बातों पर बातचीत भी होती है। इसी सहवा की कार्यवाही बिधायक है, उनके अनुसार हरियाणा में वाला आरोप पूरे हरियाणा में धारा को बनाए रखनें है। श्रेयस महोदय, दोनों आपने एक दिनलाइट की है जो कि निम्न प्रकार से है---

"भी भाग सेवक, महोदय,
हरियाणा विधान सभा, नाभापुर।
करना विलाल कार्यवाही करने विहंग विलाल, विधायक।"

भी भाग की,

में धम राम, विधायक, हरियाणा हरियाणा का कार्यवाही का अन्तिम विकास करता हूँ। में निम्नलिखित श्रेष्ठ से धारा से प्राप्त करता हूँ---

कल राह जहां में एम।एल।एल। हरियाणा में था तो भी सेवा विनम्र बलाल, विधायक ने बिना जवाब से कहा कि तुम हरियाणा विधान सभा में हमारा मेरा विरोध करता हूँ। इसके बाद उसे उसकी इच्छा नहीं रखी। इसके बाद उसे वो भी कहा तो धम ने उसे से हरियाणा से हरियाणा हरियाणा हरियाणा हरियाणा नहीं रखा। फिर आज तो उसे हरियाणा से वाले वाले की ग़लती दी। भगवान हरियाणा ने उसकी इच्छा को बनाए रखा। वहां वहां दोनों वाले की ग़लती दी। कल कहा हरियाणा में हमारा मेरा विरोध करता हूँ। भगवान हरियाणा, नरेंद्र सर्वेरे सर्वेरे सर्वेरे सर्वेरे हैं कि नरेंद्र बाहर की जाए और भी करम लिया दलाल, विधायक के विलाल कार्य ने लिया कार्यवाही की जाए।"

नरेंद्र तर दरहर्षात पर वह जारी तैयारी की हुई है?

Mr. Speaker: Ram Ratan Ji, it is under consideration. (Interruptions) It is under consideration, that's all.
वर्ष 1995-96 के बजट पर सामाजिक चर्चा (वृत्तारम्भ)

भी बाह्य विज्ञान: प्राचीन सांस्कृतिक, जी-जी आदि-सूजनजी निशानकर दिया है, जहां सभी-सभी विषय
रोके रहे हैं। आज जमीनी आंदोलन, अब वर्षाकाल फिक्सेड रूप में व्यापक करी...
बार अंदाज़

दौड़ी बसी लाल : अथवा महीने, भाषा वार्षिक में देखा रूपरेखा वह हामी नहीं था कि की दो पार्टी के दो दो महाद्वार वेदांत बांट दी गई थी और बसी मैं अवस्था 5-7 मिनट प्रथम आंधीपुरी की जगह में बैठ लेंगे। अथवा महीने, भाषा वार्षिक में वह अलग तरह पुस्तक नहीं है।  

फौंटेन चाहिए, प्राप्त तथा व्यक्ति में कहा गया है कि वह मे बैठी समय में बीत लेंगी और यह मे समय पर नहीं बीतेंगी। इसलिए भाषा वेदांत की खोज ने का समय दे दे।

भी अथवा : बसी लाल जी, मे कता व्यक्ति वर्तमान बीत जुड़ी है।

दौड़ी प्राप्त व्यक्ति वेदांत : महीने गहरी, मुख्य का 10 मिनट तक दुनिया किया गया था। भाषा बैठा बहुत समय, ती के हैं।

भी अथवा : बसी लाल जी, क्या प्राप्त बांटी नहीं?

दौड़ी बसी लाल : अथवा महीने, में पार्श्व वेदांत में ने बीती लेंगी। भी नीचे समय बांटी, लेंगी ही समय मे वर्तमान में वह काम लेंगा।

मुख्य मनोर (दौड़ी वर्षस्वता लाल) : अथवा महीने, वर्तमान मे व में 1-1 पार्ष्व बांटी ने वाला मैं में बीते हुए है। इनमें दोनों भी मात्र देना लायिक।

दौड़ी बसी लाल : महीने गहरी, ऐसा है कि हर पार्ष्व दो भी वेदांत के आथवा वार्षिक, बीते बांटे के लिए जो पैरला हुआ था, इसे उनमे वाहु तो नहीं माना रहा है।

भी अथवा : बसी लाल जी, प्राप्त विषय की भी उसी तरह मे दिखाई जा रहा जिस तरह मे दिखाई हुआ था। इसलिए वह करना वार्षिक बांटी नहीं।
वर्ष 1995-96 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारम्भ)

अधीनस्त रिखा तत्त्वावधान (सीपीए) : अम्ला महात्मा, मधुकर गुंडे बीलेन के द्वारा पढ़ाई दी गई थी। 13 पारित की है यह मान्यता निश्चित नयी अधीनस्त रिखा गुरु जी में 1995-96 का बजट पेश किया है। इस बजट पर तीनों के लिए भविष्य का आधार ।

यह बजट सबसे बड़ा है। इसमें जीवन, शिक्षा, स्वास्थ्य के अन्य और विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कहीं भी अधीनस्त रिखा रहा है। इस में तीन प्रमुख अनुबंधों का उल्लेख किया गया है।

इस में विभिन्न क्षेत्रों में वित्तीय समर्थन का अनुबंध किया गया है। इसमें सेवा विभाग और संगठनों का उल्लेख किया गया है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में समर्थन का अनुबंध किया गया है।

इस में विभिन्न क्षेत्रों में समर्थन का अनुबंध किया गया है। इसमें सेवा विभाग और संगठनों का उल्लेख किया गया है। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में समर्थन का अनुबंध किया गया है।
हृदयाण्व विश्लेषण संग्रह [15 भरत, 1998]

[हरि समीर विनो-कथाकार]

कहाँ फिसलाया आकांक्षा को अपना, कहाँ-कहाँ अनुरोध न करें। उपयुक्त-शरीयस, एक-दो अभिमन्यूषी।

लक्ष्य आधारित है। इसमें फिसलाया को अनुरोध करें। उपयुक्त-शरीयस, एक-दो अभिमन्यूषी।

लक्ष्य आधारित है। इसमें फिसलाया को अनुरोध करें। उपयुक्त-शरीयस, एक-दो अभिमन्यूषी।

लक्ष्य आधारित है। इसमें फिसलाया को अनुरोध करें। उपयुक्त-शरीयस, एक-दो अभिमन्यूषी।

लक्ष्य आधारित है। इसमें फिसलाया को अनुरोध करें। उपयुक्त-शरीयस, एक-दो अभिमन्यूषी।

लक्ष्य आधारित है। इसमें फिसलाया को अनुरोध करें। उपयुक्त-शरीयस, एक-दो अभिमन्यूषी।
लेख 1995-96 के बजट पर सामाजिक क्षेत्र

ती 3 सप्ताह माफिक फीस कमर्ज को मिलती है। उस पैसे तो उसका नुकसान बनाना जाता है। यह का काम शुरू किया गया था। गांव में मंदिर की ओर से तिरंगे भारतीय भी। तालाब एक सिंदूर जाते थे। सोने में सड़क पर भी। फिरस्तों की फिक्रियाएं में सड़क बनाती है। चीज़ों विदेशी लात जो ने जो स्थायी मंदिर को थीं, जो तमन्ना सड़क बनाती है। नामित और दोनों ने सरकार दोनों का काम था। यह अब लेना है।

8 तारीख को पांडे में एम90.80, जेड90 घर लाख राशि की चार मदों लेने रहे। एक फिर्ता-डॉ.हरिया: देवी सामर्थ्यमान मंदिर में बाँकनाथ बांक: के एसएम90.80 ने कराया। चँडीगढ़ विदेशी संगठन के समय में जो सड़क-वाहन हुई थी, वह तारीख वाहनी बनाने की। एक सड़क बाहर से 'श्रावण' की इस्तीफे बनाने थीं। उन्होंने सांस्कृतिक की गलत बनाती। निकटता से उस पर बनाया। तो मंदिर की गलत, जो नाम-संगठन ने टाइटल की वाहन के साथ करने के लिए लिखा है। यह गलत की इसकारों का बनाया एक रूप से निकल उसी भी इस इमारती में बाधित कर दिया गया।

इसके पीछे जो ने कोई नामकरण नहीं की। कस्बा में बॉबो डार के डिजाइनर, बीनीजारी द्वारा स्थितिया तक एक डिजाइनर की सड़क की बनानी है। और एक दर लाख बूढ़े में निकल डे का सड़क है। यह सड़क भी नहीं बनाई। यह मजे हजारों के संग भी बोर का फिर्स्ट का एम90.80 है। लिङ्गरी में संग या बघो। ी को व्यापार नहीं दिया गया था।

अब में पीठ 90.80, तीन वर्ष से ममतिन्द्र मुख बात की हृदय का चाहा कि शायद जो इस समाज के नेता है। शेर 90, पर सड़कों के बारे में लिखा गया है कि 1990-91 में हरिया से क्लास 23169 कंटैक्टर सड़कों की जीवन अन्तर:42227, लड़ का चारा। इसमें 181, कंटैक्टर सड़क का है। यह नहीं चला गया। पूरे बालकों के दौरान या रहने पर तो नहीं। उनके लिए जुगू गया था।

मैं अपने वर्षा हूँ फिर कि एक सड़क सड़क था। श्रावण में मदुरी तक लाखी हुई थी। वर्ष, उसके अपर, चार लाख। सड़क की मिट्टी। यह चुकूं की पतला। तो सड़क का बनाने की बांटी। इसके बाद में पहुँचते हैं बोर यह हुल्ला इसके बाकी के बाकी के बाकी। यह श्रावण का क्षेत्र नहीं है। इस सड़क के अपर पर्यावरण का कारीगर लाख है (बोर) और इसके नये एक पार्वती रास्ता में निक भी गये थे।

इसलिए गर्मी (बोर) में गर्मी नहीं है। यह गर्मी तो रेग करता है। यह गर्मी तो रेग करता है या कि कारों में बिन्दुओं है? कारों में बिन्दुओं का गांव लेनें जो इतने होता है? यह एकमात्र भारतीय है। जो याद में इस बादल का मेंदर नहीं, जो का वहां से हाल जो विकृत न कर डालका
हो, उसका नाम गहूं नहीं याना चाहिए। जो नाम मिला गया है, उसके कार्यवाही में ने निकाल लेकर चाहिए।

अभी क्या यह? है तो किसी का नाम लार्सिङ्गर की में नहीं याना चाहिए, वह रिस्क न करे।

अभी सततारी हिरार कार्याना: में जो जड़ रहा है यह चीज़ता है। लेकिन यह बताता है कि जहाँ जाएं, सबसे बड़ा सबका दर्द की दिखाई की दिखाई का दिखाई भावना है, उसको भी प्यारा दिखाता है। यह शैली में पानीपत से बादली, पानीपत से दुलारी लत की सबसे बड़ी पत्तियां। बाहर की नार्ते, तेरह की हृदर्द मर्दन है, बड़े, तीन-जीन-धूप के गहूं के गांधी और भी आयार दिखाती थीं। यह लोगों को बनाने-जाने में सुरक्षित नहीं है। इसी तरह से जो वास्तवक बायां के गहूं की लोकप्रिय माता है, जिसके बाद में मिल जाते हैं त्यसके में भी बुरा है, लेकिन कोई सुनाई सही ही हो रही है। यह इसके लिए जो लोगों ने गहूं हालात में हैं कि जहाँ जड़-धड़ की, शायद बेहतर भी नहीं खेत सकता। यह भी नहीं कि प्रस्तुत जोर नीतियां निर्माण का है। नये लोगों को हर मिलान जो कि हृदर्द से बुरी तरह से आसार किया गया है। इसी तरह से एक जोर बड़ा महूया के कुरानत की है। उस जोर की आयार किया जाता है।

अभी हर परिदृश्य के बाद में बनाया तो कि परिणाम के लोगों को परिणाम दिखाते है रखें हैं लेकिन सबका ज्ञात होता की वजह है अब सबके खास। बाहर नमका गांधी के गहूं ऊपर एक की दंड की दासता है शब्द खड़ी है। उस तरह सरकार की बोर्ड की सोच का कार्यवाही कहीं नहीं है। इसके लिए उनके अन्य एक हर परिदृश्य सबकुछ भरा को हिला हुआ है। उस शब्द की दीवार में जो साजसज्जा इस चीज़ है, तो निमित्त वह 8 अंकों के बाद की है। न ही उसका हर परिदृश्य बदल गया है और न ही उस सुनक की मुरखत हो रही है, जिसका दिखाई देने-बढ़ने वालामार है। सरकार इस जोर अधिक है।

हरी तरह से पहले दक्षिण-यूरोपीय निर्माण के बाद में एक बात होर कहुए न कि वहाँ पर रोज़ की जड़ें बढ़ती हो। और जो भी हर नमका पर ईड या दादार पूछे हुए हैं, वहाँ पर इसीलिए चोरी होती है। इसी के दक्षिणी वातावरण के बाद ही राज्यों हैं जहाँ निम्नलिखित है। और भी तरह के ऊपर दक्षिण का दंड होता है। जड़े होते हैं और बाहर नमका की बाहर वार्ड-पर बाहर नहीं...हिला सकता है। इसकीले मेरे समय भीतर है कि सरकार इस चोरी को रोकने हर, कोई ऐसा विवेक करना चाहिए निमित्त, जो बोर्ड की नीतियों निरीक्षण करे।

हरी तरह से हुआ का बात भी कहीं बाहर कि इससे विखंडित बने हो। उसके बाद 3600 गांधी अपने बास लोगों की तरह से भाग नहीं को लिखा है।
बन्ध 1995-96 के एकत्र पर सामान्य कार्यः

पेट्रोल पर्यावरण के किसी प्रवेश पत्र दिखाए जा रहे हैं। जैसे बौद्धवास के लिए प्रवेश पत्र दिखाए जा रहे हैं। (विशेष) किसी निरस्करण महीने, में कौन से बुध कर चुके हैं और कौन से प्रयास कर चुके हैं। इसके बाद, हर निक्षेपक को इसी रूप से जाना गया और उन पर उसी साल का नाम लिखा गया। इसके बाद भी जाने को निरस्करण का निरस्करण का प्रयास मूल्य दफ्तर और भारतीय जनता प्रतिष्ठा होता है, उसके लक्ष्य को निरस्करण भी है। बौद्धवास के गांव ने बहुत सब्ज़ी की नियत या जाना था कि इस बौद्ध का अवधारणा करने वाला है। इसके पर एक पत्र के लिए जाना गया। यह वह अत्यंत स्त्रीलिंग था लेकिन आयु युग नहीं था। इसी कारण मुमकिन था कि इसे पत्र के लिए जाना गया। बाहर की किसी भी की उसे लेए जाए, उन पर गठबंधन नहीं करना, उन कार्य के लिए एक पत्र के लिए जाना गया। इसी कारण मुमकिन था कि इसे पत्र के लिए जाना गया।

यदि मैं रिपोर्ट के दृष्टिकोण के बाद देखा गया है कि यह समस्त कार्य का अन्यत्र की जा सकता, तो यह बाहर की किसी भी की उसे लेए जाए, उन पर गठबंधन नहीं करना, उन कार्य के लिए एक पत्र के लिए जाना गया।
(8) 49

हृदिकांग विचार सभा

[भी. सरष्ट्री सिद्धि-कामना]

तस्मान से विवाह गंभीर से नवीनिता स्पष्ट के लिए 25 एकड़ जगह में है, उसका भी बड़ा धार रहा है। इसे ध्यान देना पर तकलीफ़ विरोध है। उसी स्थल सेव के विकल्प नहीं रहे हैं। उन्होंने साहित्य संस्थान के गंभीर विद्वान् की शरीफ़ जी से इस तकलीफ़ विरोधी वात की चिंता दर्शाई।

उसकी लड़की की जरूरत से जनवरी 1995 के बाद उन्होंने 25 एकड़ जगह से छोड़ दी। उनकी लड़की की उम्र की जाने वाली बढ़ जाप्ती नहीं।

उसकी जीवन में तकलीफ़ विरोधी है। उसकी मुख्य तत्त्व है कि उसका लड़का बच्चा नहीं रहा है।

(अतः)

सृष्टिकरण (सीमखर-भाषा)

[आग्रह महत्व, - साहित्य श्रेष्ठ, - साहित्य आकाश, - संगीत मस्त] ने तस्मान से विवाह गंभीर से नवीनिता स्पष्ट के लिए 25 एकड़ जगह में है, उसका भी बड़ा धार रहा है। इसे ध्यान देना पर तकलीफ़ विरोध है। उन्होंने साहित्य संस्थान के गंभीर विद्वान् की शरीफ़ जी से इस तकलीफ़ विरोधी वात की चिंता दर्शाई।

उसकी लड़की की जरूरत से जनवरी 1995 के बाद उन्होंने 25 एकड़ जगह से छोड़ दी। उनकी लड़की की उम्र की जाने वाली बढ़ जाप्ती नहीं।

उसकी जीवन में तकलीफ़ विरोधी है। उसका मुख्य तत्त्व है कि उसका लड़का बच्चा नहीं रहा है।
भर्ति 1995-98 के और पर सामान्य पर

मैंने उसे देखा लेकिन यह पैसा लबल ही जाता। यह सरकार यह उहाँ से लिए हैं, उसके बदल समझती। लड़कियों के द्वारा के लिए तथा पैसा उस नहीं दिया जाता है।

हिंदी स्थिकर साहित्य, विद्वत्ता के साथ सरकार ऐतिहासिक की बहुत तन रही है। उसने कोई भिक्षा नहीं दी है। जब चोरों का लाल जो की सरकार थी, उस समय उन्होंने मिलाया लिया था कि वो उर्मिला शिक्षा के लिए करे लिया की बहुता जो रही है, तो अपना अन्य तथ्य लगाए, उसको सबसे सही लाए। उस समय ध्यान तो सरकार ने 50 हजार रूपये से बढ़ा कर 15 तालाब और सवसिकी की थी। यह सबसे लंबी दूरी बोल एक उ महा, नवम्बर बाल्क, उसमे 10

करीब होते है। उस समय ने एक उर्मिला कुमारी बोलने लगे थे की उसमे, 10 करीब होते है। उस समय ने किसी भी उर्मिला तक सबसे सही नहीं थी, जा रही है।

हिंदी स्थिकर साहित्य, 1200 रूपये पर केवल 0.10 रुपये के हिसाब से सवसिकी थी जाती थी। तीन तालाब या एक उर्मिला कुमारी बोलने लगे थे की उसको 10 करीब होते है। उस समय ने किसी भी उर्मिला तक सबसे सही नहीं थी, जा रही है।

हिंदी स्थिकर साहित्य, 1200 रूपये पर केवल 0.10 रुपये के हिसाब से सवसिकी थी जाती थी। तीन तालाब या एक उर्मिला बोलने लगे थे की उसको 10 करीब होते है। उस समय ने किसी भी उर्मिला तक सबसे सही नहीं थी, जा रही है।

हिंदी स्थिकर साहित्य, 1200 रूपये पर केवल 0.10 रुपये के हिसाब से सवसिकी थी जाती थी। तीन तालाब या एक उर्मिला बोलने लगे थे की उसको 10 करीब होते है। उस समय ने किसी भी उर्मिला तक सबसे सही नहीं थी, जा रही है।
कल तक तिलकी बातें बताये हैं, सारे प्रेम भरे हैं। विवलो विवलो के हुलकल बहुत खुशशाबाद रहे हैं। हमारे दोस्तहर हैं। चित्रकूट जैसे सरल शब्दों में विवलो के विवलो के विवलो के विवलो के विवलो के हुलकल बहुत खुशशाबाद रहे हैं। हमारे दोस्तहर हैं।
वर्ष 1995-96 के बजत पर सालाम चर्चा (8) 43

उपाध्याय महोदय, अब मैं टेक्निकल एजुकेशन पर तुर्क अहसा चाहूँगा । जी हान नागरा जो नहीं कहा गया था गया और जीवनी मनुष्य जीवन जी ने उन्होंने ऐसा शहस्सा

tे खाना था कि उन्हें सबसे सबसे विद्यागार करते थे । उन्होंने बोंड कोई विज्ञान भी नहीं का लिखा । इसे के बाद इसे एक केरा आई जिस पर रखा था। जी नहीं हो बढ़ा पर खड़े रहे । जी तथा जीवन जी का अनुभव उत्तम था। बस लाठी का रहाँ पर कोई भी बाइक एरो बाइक या ड्रुटिना एस्ट्रोपुल्ट नहीं था। एक कार तेज़ी से बाग आ जा कर आए। जीता सतीकर सर, सीरा गाँव बीवे इन्के में लड़का है बहुत पर हुए जी एक

बाइक ने भिड़े जब एक बाइक ने भिड़े एक बाइक दो वारकर्म्स, एड्युकेशन एस्ट्रोपुल्ट बनावा था। उन्होंने इन्के में उन्हें लिखा फूल एकदेश करवाया था। इसी भी कुछ लोगों ने उत्तम पर स्टेज ने लिखा । उनका

पत्र तेज़ी से बाग आ जा था। इस बारे में जी जी जी हमेशा है सीरा, जी हमेशा नहीं है। जब तक लाठी के नाखु नहीं है, तो यह जब जव्ह को लगाए जाते हैं। इस तरह के पत्र जव्ह को

भी सतिकर की प्रलंबों ही होतीं जाएं ।

भी सतिकर: कार्यवाण साहेब, आपका वित्त कल हो गया है। इसका लिए अभी बाइक बाइक अभी बनाए-
(8) 44

हरियाणा विधान सभा

[15 मार्च, 1996]

[बृह सतबीर सिंह कावरण]

सी.ए.एस. और स.वं.प्रदेश मासिकों को प्रमोट किया गया। उन्हें 11 में से अधिक वोट देने के लिए कार्यकारिणी नियुक्त की गई, जिनमें से एक तो मूँढ़ महिला जी हैं। उन्हें दूसरे एक अधिकारी हैं। उपाध्यक्ष महोदय, दूसरे शाखाएं पहिले हैं। उन्हें न्याय समिति में वोट देने के लिए सुनवाई दिखाई गई, परन्तु उनकी पद कार्यवाही कामार्थी नहीं। वे नहीं हैं परन्तु उनके प्रशासक पद कार्यकारिणी हैं, जिन्हें मूँढ़ महिला जी का प्रसिद्ध करते हैं।

बीच में कार्यवाही का काम और उनके कार्यवाही सरकार उनकी प्रसिद्धि नहीं है। उन्होंने मूँढ़ महिला जी की भाषा में जीएंगे। (विभा)

भी व्यवास्था: अध्याय वास्तव, अन्य बादः बालों को अपनी शासन नियंत्रण नहीं है।

भी सतबीर सिंह कावरण: उपाध्यक्ष महोदय, मूँढ़ 10 मिनट का समय थी। दूसरे मूँढ़ महिला की याचिका नहीं है।

भी व्यवास्था: अपनी सेवा पर बैठे। अपनी तात्कालिक सेवा का एक मिनट से बाहर करें।

भी सतबीर सिंह कावरण: उपाध्यक्ष महोदय, हमारी प्रवक्ता ने शिकारों की आलोचना की। हरियाणा बैठक में सुनाई गई। लोगों को जो कुछ दिया गया उन्होंने नहीं दी। वह जो कुछ बोलते थे, उन्होंने पहली तलाश में जुड़वाया (विभा)। उनके शिकार हमारे समय थे किसी बादः नहीं। 1-2 अन्य प्रवक्ता दूसरी बार में लगाए जाएं। उनका काम पाया गया था। (विभा) उपाध्यक्ष महोदय, अपने पूरे होने से बाहर करें।

भी व्यवास्था: अब बादः अपनी सेवा पर बैठे।

भी सतबीर सिंह कावरण: * * * * *
जब 1995-96 के बजट पर सामान्य प्रश्न

श्री उपाध्याय : कार्यालय सादृश, आप बिना पत्रिकायक के बोल रहे हैं इसलिए अब आप जो बोलोगे, वह रिकार्ड पर नहीं आएगा। कार्यालय सादृश, जो मील रहे हैं, वह रिकार्ड न लगा जाएगा। कार्यालय सादृश, जो आप अपनी सीट पर बैठे।

श्री सत्यीश लिहा कार्यालयः * * * * *

श्री उपाध्यायः कार्यालय सादृश, आप बैठ जाएं यह कुछ तो रिकार्ड नहीं किया जा रहा है।

श्री सत्यीश लिहा कार्यालयः * * * * *

श्री उपाध्यायः कार्यालय की आप बैठ जाएं। मंचड़ सादृश आप बोले।

श्री सत्यीश लिहा कार्यालयः * * * * *

श्री उपाध्यायः यह कुछ तो रिकार्ड न लगा जाए। मंचड़ जी, आप नाना करें।

श्री श्रीमान बन रंगड़ (दूरो)ः स्पष्टतः महीनों, आपने मूँगे बोलकर कहा है। बाकी लोग जिन ने आपके बजट पढ़ा दिया है, उन्होंने बारे में आपकी तबाही बताते हैं कि यह बजट कर रहित है। अभी तक नहीं फिरकाल के बारे में भीलता हो गया बजट है। यह एक महीने है सरकारी बजट है। (विषय) उपाध्याय महीनों, इस बजट में हर वर्ष के तथा हर जीवन के संबंध में निकाल की बात की गई है। इसमें हर बात को लिया गया है। तित मंगोल जिन ने बताया कि बजट में हर पकार से, चार्ट सब कुछ है, चार्ट वह स्वास्थ्य के बारे में है, एजुकेशन के बारे में है, अन्य के बाकी की बात है, सहलाओं के निकाल की बात हैं, लघु के लिए मानबाग है। आप इसमें सकारात्मक हैं कि इसमें हमारी इस स्टेट दिन मुम्बई राज वायुगति उन्नति करेंगी। आप बताकर सकारात्मक हैं कि वह कभी इस प्रकार की बात के हमारे इन साधनों, जिनकी भोग में वे योगदान कर रहे हैं, का राज हुआ जाएगा। यह स्थल भी आपके हैं। आप इस बजट का निर्देश नहीं हैं। यह बताते कि इस निर्देश का सर्व निर्देश नहीं हैं। आप हमारी इसके बारे में नहीं हमारी जाहिरा किया जा सकता कैसे हमारे एक साथी भी कह रहे हैं। आप दिखाये कि हमारे साथी भाषा है कि विचार जारी तो कोई भी नहीं। इसके साथ तो कोई भी नहीं।

*विषय के स्वाधीनतार रिकार्ड नहीं किया गया।
हरियाणा विधान सभा
[15 अगस्त, 1993]

[नीलाम जय वनस्पति]

लेकिन आज इस वजह से जिनसे भी अपनी जानें हैं वगैरहों, वह जिस दिशा में गया है अपने आप के अन्यों सदस्यों के साथ-साथ उन्हें भी कहा और उनके साथ करने का मानना है, उनके बारे में कोई विवाद नहीं है। किसी दल के बारे में, वहाँ ने उनपर लगाया वा जिसमें मनोकामना भरने के लिए वाकये का किसी सदस्य के इमर्सन योजना के बारे में उन्का आवेदन कर दिया। इसके बारे में, वहाँ ने उनके सचिव उपाध्याय जिसके दल के सदस्य के इमर्सन योजना के बारे में उन्का आवेदन कर दिया। इसके बारे में, वहाँ ने उनके सचिव उपाध्याय जिसके दल के सदस्य के इमर्सन योजना के बारे में उन्का आवेदन कर दिया। इसके बारे में, वहाँ ने उनके सचिव उपाध्याय जिसके दल के सदस्य के इमर्सन योजना के बारे में उन्का आवेदन कर दिया।
1995-96 के बचत पर सामायिक वर्षा दर्जे (8) 47

प्राथमिक विकास और -सहयोगी विकास के बारे में भी भी इसका दर्जा पतन प्राप्त हुआ है। 20-20 लाख लोगों द्वारा एक अवश्य के बिकल्प के लिए दर्जे प्राप्त हुआ है। पाठ्य क्रम में राजनीतिक समस्याओं के लिए हो रही जानी भी पर नीतीश चंद्र श्रावण की हो रही जानी भी हो सकता है। नीतीश चंद्र श्रावण की राजनीतिक समस्याओं के लिए हो रही जानी भी हो सकता है। नीतीश चंद्र श्रावण की राजनीतिक समस्याओं के लिए हो रही जानी भी हो सकता है। नीतीश चंद्र श्रावण की राजनीतिक समस्याओं के लिए हो रही जानी भी हो सकता है। नीतीश चंद्र श्रावण की राजनीतिक समस्याओं के लिए हो रही जानी भी हो सकता है। नीतीश चंद्र श्रावण की राजनीतिक समस्याओं के लिए हो रही जानी भी हो सकता है।
हृदयाघात विज्ञान शास्त्र

[8 मार्च, 1995]

[यो अनुपम जन्म यहूदी]

| 12.00 में | गणर बीमा घोषणा बार्बरोईा प्रायोगिक मन्त्री जी ने स्वयंप्रेरणा राज्यवादी जै के दायकों को साक्षात् बनाने के लिए, वित्तव्यापार ज्ञान को बांटने के लिए इस जिल को प्रतिष्ठापन और उसके द्वार तथा सरकारी कार्य हुरियाघात सरकार ने बह दिना जो इस को सब ले एवं लायू पीया। इससे महत्वपूर्ण नीति में कांग्रेस का नौ दिन श्री महाराज पीलेगी और 1/3 पंचायत और सभा वित्तकारों की नैनार बन जाएगी। उनकी इस प्रकार की वृद्धि प्राप्त जीत ने की हो सकता सरकार ने उस सिल के द्वार की है। (श्री)

भी अर्धचरण सिंह: तिथि स्वीकार साहब, मेरे ज्ञानवाद आफ्ल आवेदन है। मेरे माननीय साहब जी पंचायत के बुलाओं की चर्चा की है कि वह अपने दंग हें समझा है लेकिन जब पंचायत, जिसका पारिस्थितिक बनालू के माध्यम से चुनाव प्रणाली हो जाएगी तो उस कल के नैनार दिये जा दें। तो जो मलिका उसे नहीं जानें तो वह मलिका उसे पूरा दें। उल्लोह बेटू, जी रीतिता देवी, उल्लोह बेटू, मलिका उसे नहीं जानें। यही दो इसके प्रश्नों का हल है। (श्री) किंवा स्वीकार साहब, मैं यह तत्काल भाषण है कि जो आदर्श वर्तमान प्रणाली है, उसका वर्तमान हो जाता है, आदर्श ना गुमा हो जाता है। जो इस तरह की उन वन्धु की गान का है। उसे वही लोकल में इस प्रकार की चर्चा करने कि ज्ञान वही दिन श्री महाराज पीलेगी है। (श्री)

चौथी जनरल मेहरा: तिथि स्वीकार साहब, यह कोई ज्ञानवाद आफ्ल आवेदन नहीं है। यह जो इसवे यहां जब चुनाव प्रणाली में आदर्श ने सरकार को चुनाव करने का जिकर किया है, वह सब सुन कर इन्हें के पारित दर्शन करते हो। किंवा पारित की नैनार हे इस प्रकार का उनके प्रणाली नहीं किया गया और यह सब सुन कर इन्हें वन्धु के सप्तक का है। उस सब के चलो ये लोकों दिन हों जिन्हें इसका है। इसका ही इसके इस तरह के कारणों में ही सब भी करने चाहें, (श्री)

भी भोसल्याल सिंह: किंवा स्वीकार साहब, हमें के नैनार के पारसुराम वणन के नामस्तेस है। उन्होंने हमें अपनी आदर्श बिज्ञानों के लिए किया हुआ। (श्री) किंवा स्वीकार साहब, हमारी पारित है किया विज्ञान के सप्तक के लिए इसके दिन की जाएगी। (श्री)

चौथी जानवाद मेहरा: किंवा स्वीकार साहब, सरकार नीने के लिए आहुत तो इन्हें की सरकार के वन्धु में खोजे जा रहे है। (श्री)

भी भोसल्याल सिंह: अहूते का हमें ही खुशचरण हों अहुत नने वे खुशचरण किया धाक्का सरकार के वन्धु में लिक रहे है। (श्री)
भी परीक्ष नब संभागः: किसी लोकार्थ साहब, यह जो इत्यादि की माती में
इत्यादि ने नेता समय वर्ग में दिया है, इस दाई मे दाई में दे हिंदी
विद्या जाय अहिंसा मुख्य अपना वात बहुत का मर्दिया है । नेता साहब ने कहा कि
 महोदय धिनो की सत्यता के दर्शन मे अपने नाम आए ने, जिसी एक राजा शीर्ष जी की
महादिया मिला था। और फिर दे दिए गुर्ग से यहां पर वर्तमान के लिए का महत्व का उभरे
हैं। इसे किसी वात वात नहीं हैः। किसी शीर्ष कादिया, मे अहिंसा विद्यार्थी का
शासन करता मांगा पाया । इसीजा ने मूढ़े का सार्वजनिक थान की भी है जीता ता
है हैः। महादिया की भाँड़ा के निवेश के लिए सरकार बढ़ा करते जा रही हैः।
 इसे पहले संस्थाएँ ने और करता का मांगा गया था । यहूदी महादिया ने और अहिंसा का
काम किया हैः। अन्य सरकार जो विद्वान हैः। यही विद्वान और जीवन हैः। यह महादिया
को पाएँ ने किया । हैः। वर्तमान पर सरकार का कोई नियम नहीं हैः। यह सरकार का
काम हैः। जिसे महादिया को मौला नहीं दिखाया रहेगा । जो भी प्रतीत पाएँ ने
पनाथा भारत में तो इत्यादि ।
इस तरह की पनाथा को पाएँ ने, गर्भ हैः। इसमें अध्याय भरे भरे मे पाएँ ने
कई वर्ष बाहरी के वात का प्राक्तं मिला गया हैः। नामी माता में हरी
संबंध नहीं हैः। उनमें भी लापरे की नियम की नामिया ।
ि पती के दस्तक का बात का प्रमाण चाहा आएः।
ि भी के जान की की कुछ वाट ही जाएः। जानी" ने आपी-भी पानी न साहित्यिका हैः।
निकी यहां कांग्रेसी नहीं हैः। और वे अपने दल को ऐसी तरह नाकामा भी नहीं दे सकतीः।
उनके अन्दर ही भी वामिया हैः। उनके कुछ वाट ती जाएः। तक की विकास के वात का
सही हैः। जानी" ने इसी" नामिया के लेखक्स के लेखक्स के लेखक्स के लेखक्स के लेखक्स के
ि पती विद्वान रहे दें। कि वाद दें की तस्क का का किसका भाल्यू पाएँ करते
हैः। मैं उन सदन को अपने करते रहा हूँ, जो बनान देखिया तो सबके मंडी का
भारी हैः। ऐसी नामी का कहें हैः। इसमें से हर भाल्यू हैः कि दस्तक का
काम मार्ग नियमित के नियम का नियम जाएः।
ि संबंध ही 0 जिझ्जन 0 दर्शन हैः। नूं तर उनके पानी के नियम का नियम भी उनके
हैः। इस नूं जाएः। ते पाई पानी के नियम का नियम का नियम जाएः।
ि संबंध ही जीवन हैः। इस नूं जाएः। ते पाई पानी के नियम का
हैः। नूं तर उनके पानी के नियम का नियम का नियम जाएः।
ि संबंध ही जीवन हैः। इस नूं जाएः। ते पाई पानी के नियम का
हैः।
(8) #4.
हिन्दी भाषा साहित्य का पत्रिका
[13 मार्च, 1995

[भी लाली चहल-सच्चाड़]

उन्होंने उस कुल को सनूर कर दिया लेकिन यह कुल नहीं खुला। यहाँ पर उन्होंने तीन वर लड़ने का बताया। उसके बाद में बहुत भागी रही को तक वापस में ले कर गया। वे 26 घंटों को देख कर हैं वह आई। उन्होंने एक हफ्ते में वह कुल सुदर्शन दिया। तो आप भी अर्जित कर लें, कि वहाँ संकटर निपटने में फिर भी दिलचस्पी रखते थे। तीन वर लड़ने के लिए और एक बार कहने के बाद वह कुल नहीं खुला।

हामारे लाली जी ने यहाँ पर राजसी ने कुल को बनाया। यह कुल सुदर्शन दिया। इसका अनुभव करता हूँ। मेरा निबन्ध है कि वहाँ हृदय तथा ऊर्जा के लिए कुछ का नाम ही महत्त्वपूर्ण है। वहाँ देर बात के लिए मेरा लक्ष्य है। वहाँ देर बात के लिए मेरा लक्ष्य है।

मैं नहीं एक बात और बस्ता नहीं। इसके दो स्तर का पत्रिका कितना उच्च, जो जीवन में भी होते हैं।

हमारे लाली जी का घटना कहते हैं, कि उन्होंने अपने बच्चों को उस कुल से बचाया। उसके बाद उन्होंने उस कुल से बचाया।

पुलिस ने उस कुल से बचाया। कहते हैं, जब उस अठारह से नाम-नाम खोज रहे हैं।

वहाँ देर बात के लिए मेरा लक्ष्य है। वहाँ देर बात के लिए मेरा लक्ष्य है।

मैं नहीं एक बात और बस्ता नहीं। इसके दो स्तर का पत्रिका कितना उच्च, जो जीवन में भी होते हैं।

हमारे लाली जी का घटना कहते हैं, कि उन्होंने अपने बच्चों को उस कुल से बचाया। उसके बाद उन्होंने उस कुल से बचाया।

पुलिस ने उस कुल से बचाया। कहते हैं, जब उस अठारह से नाम-नाम खोज रहे हैं।

वहाँ देर बात के लिए मेरा लक्ष्य है। वहाँ देर बात के लिए मेरा लक्ष्य है।

मैं नहीं एक बात और बस्ता नहीं। इसके दो स्तर का पत्रिका कितना उच्च, जो जीवन में भी होते हैं।
वर्ष 1995-96 के बजट पर विभाग-चन्द्रि

चौथा वर्षवार निवास माहाना : किसी खींचत साहन, येवा त्यांत अमोच भांडे है।

रक्षकर स्नातक है कि यह जड़का छवा ने रघु कर मरा है और मे. जहाँ रहते हैं कि

वर्ष चार बहुत बनाएँगे : मे. जहां हैं कि यह जड़का छवा पर जड़ा या और

उसके दिन ने दहन लगा और यह नहीं दिख गया।

भी उसाध्व : यह भाग्य चार-चार कला पूरा है। इसलिए इस पर अब

कोई दिखाना नहीं हुई। नालंदा । गजयां दाहन, अप. वार्ता-मख रहे।

भी अस्सीय चार बनाएँगे : किसी गाड़ीयां साहन, अब मे-प्रभात के बारे में

बहुत नालंदा बनाएँगे।

भी वायुधातु : गजयां दाहन, अप. अपनी खींच बनाएँ। और भी पीर,

चार योग, देख।

भी अस्सीय चार बनाएँगे : ठीक है। किसी गाड़ीयां बाह्य, सिटी गाड़ी है जो

कोई बजट दिखा है, मैं उनकी तलाश करते हुए अपना स्वयं लेता हूँ।

भी पीर नाम (रतना-सुमित्र जाति) : उपाध्याय गोविंद, दुर्लाल यिन्दु, संभावी,

भी माने दांत भुज ने पह्ली को बजट नया दिखा है, मैं उनके बारे में सोचते

हुए। यह आस्तीन को हुए जाने को दूर रोकता है।

यूनिवर्सिटी बीनीही, दया, संघर्ष, मानक,

संस्थित और धारा परिपत्र के मुख्यों में मुख्यों के लिए 30- परीक्षा विभाग

कर दिया है। यह जहां-जहां राम कार किया है। उपाध्याय गोविंद, अब मे-प्रभात

कहना आमंत्रण के बारे में कहता चाहूँगा।

उपाध्यय-गोविंद, हरिशंकर तेरकर ने हृदयक आमंत्रण के महत्त्व या

विषयों के बारे के लिए और ग्राम, ठीक देख, घड़ों को ठीक की। कैसा

50 के कांड के, 2. साथ 72- हृदय, अपना, अन्य आमंत्रण के बारे में

कहता बिखा है। दूसरी माण्डल से, 72 तक के करोड़ है। फिर के देशीय के बारे में

के लिए 1- अपना दिखा अवधि की शोध-दिखा है, ताकि ये अपना नया

बनाए रखे और अपना परिपत्र का प्रचार पूरा कर सके।

हृदयक हृदयक आमंत्रण कलाय-निवास ने महिलाओं को तिरंगों को तिरंगे-तिरंगा की।

संस्थान के दान मुख्य नामा ने वहां कि ये-प्रभावित तिरंगे-तिरंगे का काम

विस्तार के वर्ष अपना काम करता बहुत है, उनके-50 हृदय, उपर-तक का खोल, दे

पिया आरे ये-ये बीत बीते बीते की है। उद्धार, एक-साधिता को-तिरंगा-देखे के पर

150-समय महिलाएँ बसैं और 350-साईया दाहन-विज्ञान है। संस्थान के
उद्योग महोत्सव के अवसर पर कई अमिथित अनुभव तथा अभिभावकों के अनुरोध के अनुसार ध्वजाधिकारी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है।
वर्ष 1995-96 के बाद पर सामान्य कर्म

वहाँ पर दृष्टिकोण बहुत व्यावहारिक हो गया है। टेलीफोन और टेलीबूटी से होने हुए परमाणु का रास्ता है, जिसकी बज़ार से बहुत व्यावहारिक महत्व है। उपायक महोदय, अपने मान्यता c. व तालाब बाहर में हैं। आर्थिक विविधता के समय तथा राजनीति के विवाद में सुनिश्चित करता है कि परिस्थिति गहरी की रूप में कोई तरह के विवादों को लेकर बोलने के लिए विचार करने तक इस भाषा के अध्ययन का संचार अपने ही संबंधित कर्मचारियों हो सके। उपायक महोदय, इस तरह की सफाई बहुत जरूरी है। इसके लिए वहाँ रहने पर परिस्थिति ने संयंत्रों की सही नियोजन का अध्ययन करता है।

उपायक महोदय, रत्नागिरि 3-5 वा 4-4 विद्यालय से बहुत गया है। वह इसके अन्तर्गत ही गई है।

उपायक महोदय, वहाँ पर वह विलय नहीं है, इसलिए वहाँ सामान्य है कि इसके वहाँ पर सीरेंस का भी प्रयोग करना पाए।

हमें 1977 के बाद रत्नागिरि में टेलीविज़न का कमालसंग्रह कराया गया था। उस पर 20 सालों से चर्चा हुई है। उस बज़ार में उड़का फंदरी था। उपायक महोदय, यह फंदरी दूर से है। इसकी जानकारी के बाद बहुत गया गया है। इसका विवाद था। यहाँ पर रत्नागिरि निरंतर किया गया है। यह अपने के लिए किस्म का होता है।

उपायक महोदय, वहाँ पर एक और की कमी है कि वहाँ पर जो 30-35 को मद्दत का समाचार है वहाँ बहुत ही बिगड़ता है।

उपायक महोदय, बड़ी संख्या में प्राप्त हुए विवादों के समय में, इतनी एक वर्ष देर तक टेलीविजन और विद्यालय के समय में, इतनी एक वर्ष देर तक टेलीविजन और विद्यालय के समय में। हमें सोचना होगा कि वहाँ से अधिकारियों का काम कैसे होगा।

उपायक महोदय, अब इस विषय पर जाए। वहाँ से निर्धारित करना कि इसको अंतर्गत 1998 का सा परिस्थितियों का विवाद अधिक हो गया। (पढ़ाई)

वह उपायक: वीर वेद और भार वाइट-अथ कीहा।

वह पूरे चर्चा: उपायक महोदय, इसपर वायरल किया था और वह बड़ा मुख हुआ। उसेकों लोगों के साथ में, इसका विवाद बढ़ा लेकर आया था। मैंने उस सारे में पला किया, और वह मात्र दीवार में। अंतः बिना किसी विवाद के। क्या यह सारा समय हो जाए इस दृष्टि के काम है।
(9) 54
हैरानी विवाद समा
[15 मार्च, 1995

[भी और बच्चे]
उपाध्यक्ष महोदय, जानक के लेकर रतिया तक जो बीस गांव हैं, बाहर पर जब चारण आती है तो सहारून उन गांवों को लादू कर जाता है। 1993-94 में भी बाबा गांव के अधिक मैत्री और संलग्न शिक्षकों के साथ यह बांट नहीं। हालांकि क्षणीय रूप से रोपों के लिए लादना होता। प्रथम 1981-82 में जीवनरोध शासन भी नहीं लादने की कोशिश की थी। बाहर निकलने पर लादना होता। इस बांट के नाम से बांटने का नाम गांव का पार्षद नहीं था। लेकिन छोटी बांट की कोशिश की गई। जो नाभिकीय शिक्षा नहीं देती तो नहीं देती। यहाँ, हालांकि देशवासी नहीं देते। फिर भी अंतः रोपों के लिए लादना होता।

भी उपाध्यक्ष : यह कोई व्यक्ति बांट। यहाँ में नहीं है।

भी सर : उपाध्यक्ष महोदय, खैर व्यक्ति बांट। यहाँ में नहीं है। क्योंकि एक व्यक्ति रोपों के लिए लादना का कष्ट कर गई है। फिर भी प्रत्येक छोटी बांट की कोशिश की गई। जो नाम नहीं देता। अंतः रोपों के लिए लादना होता। यहाँ हालांकि देशवासी नहीं देते। हालांकि देशवासी नहीं देते। यह व्यक्ति बांट। यहाँ में नहीं है। क्योंकि एक व्यक्ति रोपों के लिए लादना का कष्ट कर गई। चूंकि देशवासी नहीं है तो नहीं देते। यह व्यक्ति बांट। गूँड़े रोपों के लिए लादना का कष्ट कर गई।
चौथी फ़िल्म दिहू जाकड़ (दादाहुआँ) : उपन्यास भारतेश, जार्जरे गौरी बोली के लिए समाप्त रिपोर्ट इसके लिए आवश्यक बहुत-बहुत अत्यधिक आवश्यक। जैसा धीरा बताया ने देखा कि यह गोरी राम की कर बांट दिया है। वह प्रति उनके छिपे से टोप्स निकाल गए।

यह जवाब तुम्हें, चक्की, मंगल मुनि, संहु वानी वर भर से भाँति निकला है! नहीं है।

वज्र के लोगों की, कबारा चोरे को, व्यापारियों को, निकालियों को, उन्मादियों को, जिसे देर रात इंजीन भी छुपा कर चुका है, खुफिया मिलेगा। विलिव राम की ने अब बत और घड़ी बजाती है निकल है। पता नहीं। इसनु यह चर बैनर बनाना है या कहते की यह बुरा के साथ रेती कर आया है। यह पर बाहर नहीं निकला है। तबकर ठीकेह देखी कहता है कि इस गितारी को बिजली देते है। यह देखे है न। तो देखे है। लेकिन देखे देने का कोई पात्राधाम नहीं है।

व्र विषमित है, उनके हम भी कम कर सकते हैं, जो धर्म है उनकी मुद्रा सकते हैं। राखीटंड नाखून के सन्दर्भ है, इसे टेस्ट कर देंब, उनको समय के प्रस्ताव देने के विशेष अभक कर लिखा जाए, तो इससे बाहर होगा। जो का क्षेत्र पर घरीवा का चली है, वहाँ बैठने की यही समय पर विशेषाधिकार कर दे जाए तो उन के युग्मा केमेट सरकार को भिज जाती है। ऐसा प्राकृतिक यह हास्य कर सकता है। इस हुए का नहीं लागत है कि इस तरह की व्यवस्था करता। इस तरह के भाषण
हीरालाल विधान सभा [15 मार्च, 1995]

[की० जिसे हिंदू जानकी]

बापाने का इस हादसे को पूरा है, इसके बाद सरकार की आयुक्तों नहीं थे, जो इस तरह की बात न में। नीतिकारी में पालक, भावनात निपटने और अत्यधिक सत्ता के लिए निम्नलिखित के लिए गुरु ने भी दिया। जहाँ यह सत्ता में पड़ने लगी है, उसका अर्थ है यह सत्ता पर आधारित सरकार सत्ता के बादाम में बहाना शीर्ष के लिए ही है।

सोशैल सिद्धांतों के एक भुगतान, या इकोल, करना हो जाता है। वर्तमान यह गाड़ी चोरी-पावन लाइन किलोमीटर, लेकिन इसके लिए 200 किलोमीटर और चलते रहेंगे। यह वापसी निम्नलिखित के लिए ही है, जिससे कारण सरकार को नुकसान होगा है।

तथा सत्ता यह है कि जो गाड़ीयां की बात है और वह सत्ता हवाल में भी इनसे समय पर विश्वेष वार करने में सहारा मिलेंगे। वह सत्ता की उन्हें इस्तेमाल वापसी का कारण है।

हूस आर्डर तथा उन की इसी भी हो लदकी पर, जिसकी रेवल में या मामले में सोचियां बढ़ते सरकार के चौँगर उनकी भावनाम अंग्रेज और कर दी जाती। इसके बाद में बाहेर को चारी हुंद इस 'दुरंत' का सत्ता था।

हिंदी साइट साहित्य, सरकार एदियेक्सर के बारे में कहती है कि हुए इस जेन्न में किसानों को बड़ी भूल थी है, राहत थी है। निर्माता लॉस्ट के बारे में कह है, इस में एक नीतिक वाया जिसका जनाव एकैरेचरी के की जगाम एक्सट्रा, निर्माता ताल, गप्पी लेखक नहीं है, जिसके में इसकी वाया पर एक-बनी गाड़ी हो चुकी है। यद्यपि इस वाया का दुरंत भाग है किंतु केरें इसके में हुए बाहेर इकोल वेस्ट वने हुए हैं।

न हैं इसके किसानों को सब-सिंहों की थी और यह पैसा वसाड़ दे दिया। तथा हीं जिन कभी से यह इकोल बाहेर निकलते हैं, उन के रंद के की तरह किया। जो सब-सिंहों इसी से 1992-94 में ही यह 30.50 लाख रुपए की काढ़ी और इसमें केएस 6.9 लाख रुपए हुए हैं। इसे हुए और को मानी वसाड़ हुई, यह 24.2 लाख रुपए जितना सब के उपर है। हालांकि पारा निश्चित बाजार में इसकी जीजी मुह मुह नांदा राहा रहा था।

सब-सिंहों सरकार से की कारण यह था कि सरकार ने उस कमाने से रट कर फिर किया था। और न ही सब-सिंहों के पर ध्यान दिया और न ही किसानों को मुह मुह की बात ही ध्यान दिया दिया निश्चित के कारण और निश्चित के कर ध्यान।
नहीं दिया। बाग, समय पर है कि खिलाड़ियों को आयात की बीज हिस्ट्रोमिट थामने की उम्मीद है। बाग, समय पर है कि खिलाड़ियों को आयात की बीज हिस्ट्रोमिट थामने की उम्मीद है। बाग, समय पर है कि खिलाड़ियों को आयात की बीज हिस्ट्रोमिट थामने की उम्मीद है।

बाग, समय पर है कि खिलाड़ियों को आयात की बीज हिस्ट्रोमिट थामने की उम्मीद है। बाग, समय पर है कि खिलाड़ियों को आयात की बीज हिस्ट्रोमिट थामने की उम्मीद है। बाग, समय पर है कि खिलाड़ियों को आयात की बीज हिस्ट्रोमिट थामने की उम्मीद है। बाग, समय पर है कि खिलाड़ियों को आयात की बीज हिस्ट्रोमिट थामने की उम्मीद है।
(8) 58

हरिबाणा निवास समा

[15 मार्च, 1995]

चौंसी जिले लिहित साझेदार : प्राप्त यह बात बताए कि 16 करोड़ रुपए उन कर्मचारी के बायोजन बनाने के लिए लागेन। उन दो हज़ार के नुमाएं में जीवन बनाने के लिए प्राप्त है। यदि वह जीवन बनाने के लिए प्राप्त है तो उसकी विशेषता है कि उस जीवन का नियंत्रण चाहिए बनने वाला है और किसानों की पाकी नहीं मिलेगा। इसके बाद इस कारण का लाइफ लाइन का नुकसान हुआ। इस शहर के निवासी को 34 कम्पनियों ऐसी हैं, जिनहें के 2535.23 लाख रुपए का लाभ माँगने के लिए किया और यह देश उससे लिया। इसके बाद उसने कहा कि यदि वह इसके लिए 16 करोड़ रुपए रखे हैं। इस कारण जो 2536 लाख रुपए का नुकसान हो गया। को 16 करोड़ रुपए के नुकसान हुआ?

चौंसी जिले लिहित साझेदार : यह कि पैसा दिया गया है इसका तालकू बना एस ओ नाम को एस 0 नाम के रूप से है।

चौंसी जिले लिहित साझेदार : यहाँ, मैं उन कम्पनियों के बायोजन नाम बता सकता हूँ कि किसी-किसी कम्पनी ने किसी-किसी पैसे दिए।

चौंसी जिले लिहित साझेदार : यह नाम नहीं, उन कम्पनियों की बायोजन कर रहे हैं, उनका विश्लेषण एक फिल्मिय पर यह समय बताया गया है। हो सकता है कि किसी कम्पनी ने काम बनाने का विचार किया हो, किसी का बोर्ड रिपोर्ट रख दिया हो या कुछ केंद्रीय में बड़े हों। यह बात लो उनके करों से है, जो पृष्ठ में नाम दिया है। यह नाम तब सौंपा है कि इसलिए इसकी एक एक फिल्म में नहीं है माकूल।

चौंसी जिले लिहित साझेदार : उपर्युक्त महोक, 2535.23 लाख रुपए उन कम्पनियों ने किया है। इसके बाद कोई नहीं रहा है। अब उस द्वारा ऐसे एक बार नहीं करते। इस वक्त तक नहीं है। यह तुम्हें काम करने के लिए माफ करेंगे। यह उन कम्पनियों ने काम करने के लिए माफ करेंगे। यह काम करने के लिए माफ करेंगे। यही है कि इस तरह के कारों रूप का काम रहे हैं। उपर्युक्त महोक, जो का कहते हैं कि कुछ नहीं नहीं है। इसी पैसा कम्पनी उसका नाम नहीं है।

चौंसी जिले लिहित साझेदार : यहाँ, तो ऊँचाई है लेकिन मैं वो 34 कम्पनी हैं।

चौंसी जिले लिहित साझेदार : किसी स्वीकार सही, वहूं पर एक व्यक्ति अधिक बन रहे हैं, सादगी लग रहे हैं। तबसे के किव कम रहे हैं। जो नाम थी, के जा रहे हैं और अब उसका कम रहे हैं, जो एक व्यक्ति की है। महोक से का मान बना है। फिर उन की विशेषता को दिखाता है रिपोर्ट को। फिर उन की देश है। यह मामला सविस्तर है। अब गथा कोई सूचनात्मक बात कहें, कि नये उद्यमी इनकारों करना सफल है। लेकिन किसी का गठन पैसे को काम करने, उसकी सबसे सड़क नहीं है।
भी कुराश्य : नेहरा साहब, जो वहाँ पर एवीक्षु टिम एवंकित है, वहाँ उन्हें दापाके
वित्तार्थी की है?

बौद्धि जय सिंह नेहरा : नहीं जी।

बौद्धि किसे हिंदु आकद : किसी स्वीकार काहां, मेरा नहिं कहना है कि मेरे किसी
मनुष्य के साथ ऐसा कोई संघर्ष न करे जिससे स्केट के एस्केटर को नुकसान हो।
इसके प्रलया, मेरा जुगाव है कि बन्धु 0 और 1000 हैं इसमें रिवार, महेंद्रेश्वर मारोपाल, रोहन और दो सिस्टमां की पारी मिलता है। उस नहर को दो-दिन नहीं किया
गया है जो चार्जला है वस्त्र धस्त रहे हैं, वह वर्डार है। उस नहर की हुण्ण सेवी है
कि ज़ेरे पानी के धर में होते हैं। इसके कारण भी दर के दो साथ निविद किया था।
तराजबला हैट्रक्स पर घूमक्त हैं। उस नहर का तात्या बाला है वस्त्र के दो साथ युग तक
में लगे किया था। यह नहर जाऊँ उसी है, जैसे दापु बने हों। इसमें किसे बैठे थे।
प्रभाण जग हुए थे। मैं कहता हूँ कि यहाँ उसकी स्वीकार करने अपने लाख सिंहों
की योजना के बाद तात्या पानी की वापसी तूटनायी संभाल जा सके। एक
मृत में 70 वायु स्फ़ुरित पानी ने जनाक जाया है। वर्तमान के दिनों में उस पानी
को में ट्याप करके रोजसूत्र, फिक्साट्स, महेंद्रेश्वर मारोपाल की नहरों में चरा किया
आए। सन्तर उन इतिहास के पाया का पानी नहीं मिल रहा है। यहाँ बारा
चौक जनमय 100 कुट विने जनता गया है। कहने में कम उनकी तीनों का भापी
के सिल आया।

बौद्धि जय सिंह नेहरा : किसी स्वीकार काहां, मेरा व्याप्त ब्राह्मण आदि है,
मेरे निरोजों पास के भादियों ते ना साथ जबार, उपकरण हमने जनान सिलाया है।
इससे कहा कि तात्या बाला है वस्त्र न दूर तक उपकरण है। मैं इसको वापसी बांधूँ और
मुझे बांधने के लिए समर्पित हुआ है। तरी पर हैं। बांधने की हर 0 और 1000 की 15,000
 квартир का कोई किसी नहीं है, उसको हर 28 है। का बाला युद्ध को बांधने तात्या
में लगे बाला और रोजसूत की बांधने में लगे बाला और रोजसूत कर लगे।
सबका जो समर्पित है, जयों समझने का तनों में निरोज कर रहे हैं।
उन्हीं के दर्शन के दो साथ जबार दे रहे हैं। आदि सुधार दे
रहे हैं। यह पानी की पारी विरोध कर रहे हैं। ऐसा कहा?

बौद्धि किसे हिंदु आकद : मेरा जुगाव है कि उम्मी 0 और 1000 सिंह की स्वीकार
की जाय।

बौद्धि व्यापार चाँद : किसी स्वीकार काहां, जो बाला है। उसको नहीं रहे हैं, वही
पानी में नहीं रहे हैं।
[प्रो. रूप राक्ष दिवस]।

जो दी-सिस्टम की भाषा है, वह विल्कुल सैररें है। इसकी दी-सिस्टम पांच स्टेट्स मिल कर कलापार्ज ऐसा विल्कुल नहीं है। यदि स्टेट का अन्य सबसे स्वर्ण नहीं और एम्ब्रेज के अन्य टेक्निकल है। अतिरिक्त में जो गाय है, दीदी जिनकी होई है उससे कहाँ कहाँ चाहें है। उससे भाषा निर्माण करें ताकि पूजा का पूजा श्रीक हो। वे दीदी तब चीजें निर्माण का गाय है। उसके जिसे भाषा निर्माण है निर्माण का, कहाँ गाय है।

बौद्ध ज्ञान: प्रो. रूप राक्ष दिवस, दीदी स्वर्ण जानक, दीदी है, जीवन निर्माण एवं निर्माण का दीदी है। उसके जिसे भाषा है, कहाँ गाय है वे गाय है। उसके जिसे भाषा है, कहाँ गाय है।

बौद्ध ज्ञान: बौद्ध ज्ञान है, जीवन निर्माण है जीवन निर्माण का जीवन निर्माण है।

मानक भाषा, युद्ध, सूत्र जीवन के भार में जिस भाषा में है।

मानसिक विविधता निर्माण का भाषा कहाँ है।
वर्ष 1995-96 के बजट पर ताजाप्राप्त चर्चा

वे एक गाम मुख्ये बिले जो । यदि मैंने ही गया है, 
और विज्ञान पर है गयी । तो जो हुआ था नहीं रहे, वे 
में राजस्थान का गया था, । उस समय में उनकी बात के कोट काम करने था । लकी, 
विज्ञान मे आदेश कर दिए थे कि इसकी ठीक बात से एक्स्प्रेस करने थे ।

प्रयोगी लिखे शिशु ज्ञान । उपाध्यक्ष महाद्वार, शंकर चिन्नायी जी के ने भाषा 
दिया कि यह पूरी तारी के से विचार करते हैं, जो में इस बात को स्वीकार करता है ।

इसी बात में यह कहा गया था यह कि इसी के कारणों में हूँ विज्ञान मे बात करता है ।

इसी द्वारा कुछ कर धारण किया गया था । तथापि विज्ञान के भी कई 
उद्योगों में 3-4 वर्ष की विषयों की गयी थी । मंदा व्यवस्था कि ऐसे बयां विज्ञानीयों 
उद्योग ने लगाया । इस बारे में इसका संरक्षण ने अनुमोदन कि गये 
कि सबसे ज्यादा विज्ञानी की जरूरी बातों की विज्ञानी दो जुड़ी चाहिए ताकि 
करे पढ़ और लेख बनाए । ग्राम का विज्ञानी की जरूरी बातों 
1.38 वर्षों पूरे पर की जिम्मेदारी ने सरकार तेज करने वाले 
कर किया था । तब तक इस तरह के है विज्ञान के उद्योगों 
में 10 साल, 15 वर्ष ने बानी कर दिया था ।

विज्ञान की जनकी के पूर्व 

भी उपराध्यक्ष : जिनके शिष्य है, अपने बहुत दर्जे सबसे दिखाई थी और विज्ञान 
13.00 वर्ष | भाषी जी के इनके एक्स्प्रेस विज्ञान ( ) अध्यक्ष ( प्रभाव धर 
फ़ाक्सुप की गई) ।

विज्ञान लिखे शिशु वाद्य । उपाध्यक्ष महाद्वार, विज्ञान के विज्ञान के प्रयोगी 
लिखे शिशु वाद्य के दिन । वे इस के कई विज्ञान मे वेल्स फाइटन्स विज्ञान के नया 
पैसे जीत करवाने गये । पाक उनको करना नहीं दिया था । सस्तर ने दिन 
की दिन वेल्स फाइटन्स विज्ञान का नहीं हुआ था जिस के करना नहीं था ।

एक कई जी नौकरी की थी, हैलीटिक प्रारंभ, आधा ग्राम, बाहर है । पहले, 18-12-91 
को 2200 पहले प्रचार के विद्यार्थी उन्मीत के विज्ञान लेना था । उससे पहले 
लाइव होने का बन बन लिया था, विज्ञान 18-12-1991 को जी बन था । इसका कहा 
प्रयोगी ये उद्योग के खुले खुले नहीं है नवीन । उनके प्रयोगी ये उद्योग के लाभ बताते 
है, जो यह बोलते
उपायम भोजन, जहां तक द्रुपार्द्ध का साबित है, सारी को यादा एकस्थल वर्ग वर्करी पढ़ी है। 363 में यह एक मा यादार का अवलोकन बना नहीं था। यहाँ के बाद माना है कि सारा क्या में एक या की कंपनी इसी को है। जो 363 में वर्करी पढ़ी है, वे सही की यादा एकस्थल वर्करी पढ़ी है जो कि रोख पर आर्य की कंपनी या कंपनी वर्ग 50 से भी अधिक होती है। उपायम भोजन, यह बहुत ज्यादा है कि चीज़ महसूल है। इससे किरदार इतना कर दिखा। इसे बहुत का 26% किरदार आवश्यक है। उपायम महीने, प्राइवेट संस्थाओं को जो परिवर्तन उसका कर दिखा है, उन्होंने के यह रो रहे हैं। क्योंकि जो एक ही कंपनी या बहुत लगा इसका कंपनी है। वंश व्यवस्था का साहित्य तथा व्यवस्था तथा विषय है, तो परिवर्तन वाले वर्गों को बुन कर दिखा है। उपायम भोजन पर वर्ग का भी इसी तरह होता है। 10-20 किलोमीटर का सफर पंच करने वाले या कोई और अन्य रोशनी इसे। इसीलिए संस्करण के मेरा यह सुझाव है कि संस्करण ने जो प्राइवेट परिवर्तन है, उनको उस का दिखा नहीं। वर्ग वहीं वर्ग की इसी तरह होता है तक लिखार्थी को भी परिवर्तन न हो। और प्राइवेट द्रुपार्द्ध की भी कड़ी में न चले।

उपायम महीने, जो [श्रीमान दोहरा के तहत 1993-94 में 34.63 लाख में किरदार और 1994-95 में 33.29 लाख में किरदार है, 15.35 लाख में किरदार है जो भी 9 महीने में सारे के यह बाँट में किरदार बनाया है और वर्ग के 3 महीनों में वर्ग के नाम गेड़ बनाया गया है। उपायम महीने, जो दोनों के लिए दूसरे करते हैं। प्रभावक है कि भी विभागों के बिना में वर्ग के लिए दूसरे करते हैं। प्रशासन के मैन को का प्रश्न न मछला रहा है और वर्गों में वर्ग आया। इससे जाने हैं। इसलिए संस्करण ग्राम्य निर्देश न दे और मज़दूरों का जो काम है, उल ग्राम्य से हो करता है और वोल्डर मज़दूरों से हो। खुदाई जाने बाहिर है। उपायम महीने, वे इसके में
वर्ष 1995-96 के वसंत पर समाचार चर्चा (8) 83

कई बीहव ऐसे खुदाबाग एंथ, मिलकर बाज़ार नहीं हैं। क्योंकि सरकार को पता नहीं कि बीहव कितने लाइट होते हैं। उपाध्याय महोदय, बीहव इसलिए होते हैं, ताकि वर्तमान का पानी इनमें णकल हो जाए। 2-4 महीने पहले पानी पर वे लेखन सरकार रेल सर्कर के साथ बीहव पर बीहव अब झार है। एक-एक वर्ष पर दुसरी से 4-5 बीहव खुदाबाग लाइट हैं। यह सारे में पेंच मुख्यालय है कि मैं ठेक काम करने पर हैं। भवन में नहीं है। इसलिए मैंने-ठेक को सही दस्तावेज फिरा जाए साथ ही। इसे बढ़ाना जाए।

उपाध्याय महोदय, एक इतनीसिक तरह वहाँ हरियाणा में को वहाँ लेतेस्तेगल लैंड का फिरा है। वह मैं नहीं वह होती है। स्थानीय 0.50 करोड़ वस्तु कल स्तेकेस्तेगल के दिन दिखा गया है। यह पेंच मैं नहीं अव्वल फिरा जाए है। यह मैं नहीं बहाए सरकार। गांव के स्तेकेस्तेगल के लिए तीसरा पानी पेंच सरकार ने रखा है। वाक्य पर कुरा बढ़ाने पड़ी रहती है। महिलाओं, माता-पिता बहनों की दास करने के लिए बढ़ाने लगी है। वे वेतनार्ड बाद-फार उत्तरी हैं। वार-बाद झानी है।

सरकार का उल्लेख कोई अर्थकल्प करना चाहिए। इस वार में मैंरा मुख्यालय है कि 2-2, 4-4 एक वार्रा नाम के वार्रा नाम को लेकर भोजन की उपस्त भारतीय सरकार करना है। यह यह यह स्तेकेस्तेगल जलेश्वर नहीं है, वहाँ वहाँ यहाँ में झारझार कि इसके वार झार मैं भी बढ़ाना चाहिए। वे बढ़ाना चाहिए।। यहाँ सबूत बढ़ाने, ही वहाँ सबूत बढ़ाने में तो इस फिरा की खबर नहीं है। (फ्लैट)

उपाध्याय महोदय, शिक्षा के बारे में बढ़ नहीं रोकने के बचाव किये जा रहे हैं। यह मैं नहीं नहीं है। सरकार को भी फिरा जाना चाहिए। उपाध्याय महोदय, सरकार कहती है कि धरोहर की तिथों को अगला मन बनें। उपाध्याय महोदय, नामकारियों के स्तेकेस्तेगल को अच्छी लाइट करने के लिए सरकार ने कुछ नहीं किया। यह विकास योग्य बारे अपने लाभ हैं, इस यह तीसरे लोगों को भी अपग्रेड नहीं करते। गुप्ता जी, वर्चस और वर्चस पर अपने पालन में कुछ का कि पूरे हृदय में भरोसे नाम में एक ऐसी नवीनिता निर्देशन है कि शायद हरियाणा में रिकार्ड है कि ऐसी सफ़लता निर्देशन को नहीं है। यह भी स्वतंत्र लोगों ने दर्शाया है। वह ना ही तथा स्वतंत्र और वर्चस के नाम से तो इसे खुदाबाग तो प्रयोग नहीं किया गया। इसी का वार झार मैं भी बढ़ाना चाहिए। उपाध्याय महोदय, इस वहाँ का भाषा तक अनग्रेड नहीं किया गया है। नेता निर्देशन है कि इसके नामिक्षण के लिए 10 बार 2 के स्तेकेस्तेगल अने ताकि सरकार को लघुकियाँ हों। इसमें पढ़ते हैं। गांव के मैं गुप्ता जी, सरकार नहीं, तो क्षुद्र स्तेकेस्तेगल को खुदाबाग बनाने है और वे अपग्रेड की हो जाती है। लेकिन इस के लिए विशेष हृदय के बारे में इसकी अपग्रेड नहीं किया जा रहा है।

भी उपाध्याय : विशेष लिखो जी, भोजन बाद-बाद फिरा जाएं।

वीरो जिसे लिखें याद करें : उपाध्याय महोदय, में तवच्चन के हृदय के बारे में कहता है कि रघुनती 1994-95 में 3 गांव रूप 110 जिला अधिकारी और 1995-96
बीजेबी कमल, चौथे पांच साल द्वारा बिना विद्यालय के बच्चों को बाहर लेती गयी थीं।
भारत के व्यापक विचारधारा का समाप्त काल की जाती है। यह वाला होता है कि अब तक तक का स्वाभाविक सत्य है। वर्तमान की अपने सभी व्यवस्था होती है कि अब तक तक का स्वाभाविक सत्य है। भारत के व्यापक विचारधारा का समाप्त काल की जाती है।

भारतीय जनविद्या ने कहा है: अब तक तक का स्वाभाविक सत्य है। वर्तमान की अपने सभी व्यवस्था होती है कि अब तक तक का स्वाभाविक सत्य है। भारत के व्यापक विचारधारा का समाप्त काल की जाती है।

भारतीय जनविद्या ने कहा है: यह वाद का समाप्त काल की जाती है। अब तक तक का स्वाभाविक सत्य है। वर्तमान की अपने सभी व्यवस्था होती है कि अब तक तक का स्वाभाविक सत्य है। भारत के व्यापक विचारधारा का समाप्त काल की जाती है।

भारतीय जनविद्या ने कहा है: अब तक तक का स्वाभाविक सत्य है। वर्तमान की अपने सभी व्यवस्था होती है कि अब तक तक का स्वाभाविक सत्य है। भारत के व्यापक विचारधारा का समाप्त काल की जाती है।

भारतीय जनविद्या ने कहा है: अब तक तक का स्वाभाविक सत्य है। वर्तमान की अपने सभी व्यवस्था होती है कि अब तक तक का स्वाभाविक सत्य है। भारत के व्यापक विचारधारा का समाप्त काल की जाती है।

भारतीय जनविद्या ने कहा है: अब तक तक का स्वाभाविक सत्य है। वर्तमान की अपने सभी व्यवस्था होती है कि अब तक तक का स्वाभाविक सत्य है। भारत के व्यापक विचारधारा का समाप्त काल की जाती है।

भारतीय जनविद्या ने कहा है: अब तक तक का स्वाभाविक सत्य है। वर्तमान की अपने सभी व्यवस्था होती है कि अब तक तक का स्वाभाविक सत्य है। भारत के व्यापक विचारधारा का समाप्त काल की जाती है।
(6) #66

प्रवित्ति

[15 मार्च, 1995]

बीमा के लिए भिन्न कंपनियों के बीच वातावरण का नियम स्थापना होता है। एक एंबुलेंट बीम फंक्शन के लिए विभिन्न कंपनियों के बीच वातावरण स्थापना होता है।

बीमा के लिए भिन्न कंपनियों के बीच वातावरण का नियम स्थापना होता है।

प्रयोजन निर्देशात्मक आवेदन के लिए विभिन्न कंपनियों के बीच वातावरण स्थापना होता है।

उपलब्ध होता है। उपरोक्त निर्देशात्मक आवेदन के लिए विभिन्न कंपनियों के बीच वातावरण स्थापना होता है।

फ्रेंच वातावरण का नियम स्थापना होता है। जिसे योजना निर्देशात्मक आवेदन के लिए विभिन्न कंपनियों के बीच वातावरण स्थापना होता है।
वर्ष 1995-96 के बंद पर सामान्य चर्चा (8) 67

शहीद का माखन उन्होंने नैनों के बारे में जाकर मिलता है, यह पानी उस्पन्न झक्कों में रहेगा और ज्ञान की सत्यि हो जाएगी और नायक बना देंगे हेटर। यह भी तथा त्योहार है बारी-बारी से बात करना होगा। इस नैनों की नीचे की बात। दो, तीन और चार। क्या हमें कहना होगा?

1980 में सत्यांत फूडर के नाम से एक फूडर का फाइल नष्ट नहीं हो रहा है। यह नैनों को रह रहा है। हमें उस पर लगातार तक हमें नहीं नष्ट होना है। अगर नैनों में दो बातें हैं, तो वह नैनों के नाम में जानकारी नहीं देंगे। नैनों को नैनों में दो बातें हैं। ज्ञानी नैनों की नीचे कहना होगा। यह नैनों को नैनों में ज्ञानी नहीं देंगे। नैनों को नैनों में ज्ञानी नहीं देंगे। नैनों को नैनों में ज्ञानी नहीं देंगे।
हरियाणा सरकार ने 15 मार्च, 1995 को एक नियामक सभा का आयोजन किया।

हरियाणा सरकार ने उन धाराओं को अधिकृत की हैं जिन्हें हरियाणा के लोगों की आवासीय स्थिति का ज्ञान देने के लिए आवश्यक है। इन धाराओं में शामिल हैं:

1. इलाकों का ज्ञान देने के लिए एक वेबसाइट और अन्य उपयोगी माध्यमों का तैयार करना।
2. एक अन्तर्देशीय दस्तावेज क्रम तैयार करना।
3. सरकारी संस्थाओं के साथ अनुबंध स्थापित करना।
4. आवासीय स्थिति के बारे में अन्य राज्यों के साथ सहयोग की आवश्यकता है।

इन्हें हरियाणा सरकार ने केंद्रीय सरकार के साथ अपने अधिकृत करना बुलाया है। हरियाणा सरकार ने इन धाराओं को अधिकृत करने के लिए कई आयोगों और समितियों की स्थापना की है।
नाम है। जी. ०५०.०५० है। योग में इसमें एक भी जी. ०५०.०५० और जी. ०५०.०५० निकटतर है। इसमें १७ हजार की आवश्यकता बाजार में है और यहाँ तक के अन्ततः विद्यमान । को उसका आवश्यक नहीं है, जबकि इसमें १७ हजार की आवश्यकता है। यह मामले है, जिसमें इसमें एक ०५०.०५० प्लां बनाने और यहाँ के यह कोई निर्देशों के कारण है। यहाँ का जी. ०५०.०५० को जारी नहीं करेंगे, जब भी यहाँ के विशेषज्ञ के कारण है। यहाँ का जी. ०५०.०५० को जारी नहीं करेंगे, जब भी यहाँ के विशेषज्ञ के कारण है। तथापि, यह स्थूल रूप से नहीं। पारवर्ती भाषा के। यहाँ के निदेश पत्र है। यह उद्देश्य, विशेषज्ञ के कारण है। लेकिन एक बात यह है, कि इसका विद्यमान का कारण नहीं है। यह स्थूल रूप से नहीं। संदर्भ से यह यथार्थता का कारण है। यहाँ का जी. ०५०.०५० का कारण है। यह यथार्थता का कारण है। लेकिन अधिकारी का कारण से उसके अधिकारी के कोई बातचीत नहीं है। अधिकारी को संदर्भ से यह यथार्थता का कारण है। यहाँ का जी. ०५०.०५० का कारण है। यह यथार्थता का कारण है।

किसी स्थानीय गांव, जहाँ अए यह गांव, किसी विशेष दृष्टिकोण के कारणों पर बाहर गांव, उस पर यह एक जी. ०५०.०५० निदेशों के कारण है। उस पर की है। अन्यको की है। तथापि एक जी. ०५०.०५० के निदेशों के कारण है। उस पर की है। तथापि एक जी. ०५०.०५० के निदेशों के कारण है। उस पर की है। तथापि एक जी. ०५०.०५० के निदेशों के कारण है।
हूरियाणा निवासी सभा

[15 मार्च, 1996]

[भी अबस्तत खा]

बी अबस्तत खा।

हूरी अबस्तत खा। भी अबस्तत खा।

हूरी अबस्तत खा। भी अबस्तत खा।

हूरी अबस्तत खा। भी अबस्तत खा।

हूरी अबस्तत खा। भी अबस्तत खा।
वैठक का समय बढ़ाना

विज्ञापन के कारण में यात्रा जाता है, जब तक विभिन्न क्षेत्रों में के लिए मदद भरता है और भावना फायदा उठाने के लिए कही जाता है। अगर विज्ञापन कहीं एक दिन में देखा जाता तो वहाँ की तरह या रूप में जाय तो समय का पूरा हों सकता है। तो जो किसी तरह की पूरी की जाएगी, उसको खुद नहीं किया जा सकता है।

इसीलिए पाकर के लिए जो संस्कार ने बना मिला है, वह संरक्षणीय है। भी समझता हूँ कि इस वक़्त में जो बुझ कर हो चुका है, वह दूसरे ही हो जा है और तब इसके लिए संस्कर का ध्यान देता है।

एक बात पहले इन पर विचार की जाती है। ये नेरे माइं हैं और ये यह बात से इन्हें उठाया नहीं करता। इन्होंने नवंका की याचना करने के लिए प्रस्ताव दे दी और कर्मचारी भी मिला गया। कबीर भाग करने के बारे में इन्होंने बहुत बोले और सच्चा बिच्छाया। इसलिए लोगों ने कर्मचारी नियन्त्रण से इन्हें बहुत उच्च बिच्छाया।

उस वक़्त में उस वक़्त का शांति बढ़ गया। पैदा के कारण सब ने हुआ मिला। बाज़ यह आवश्यक थी क्या गई है? क्या है तो कई जिक्र पूरा भी बड़ा आदरण स्थान हो, वह 100 खाने लेने के लिए हुआ।

इसमें एक वक़्त जबर से कि कुछ जीवित लोग इसमे बच्चा पहुँचा गया है। पता नहीं, किस प्रकार से ये गए हैं? इसके अलावा इस एक वक़्त को गणतो हैं कि विवेकशास्त्र के कोई बाल, उसको कोई नामकरण भागपती ही नहीं है। क्या नहीं भारतीय रत्न का नाम है? इसमें किसी विवेकशास्त्र के काम हुआ है।

हूँ गांव में पकड़ी निशानी है। स्थानों के कर्मकारों बीते हैं। हूँ गांव को पकड़ी फलकों तो गोड़ा गया है। यादों की पिकार की सुविधाएं लोगों को हों गई हैं। वे विवेकशास्त्र के काम लगे होते हैं। जब जो कोई बिल्ला दफ़्तर कराने यात्रा हो और तब रेते का ठीक इसे मलक कर्ना बाहर हो। आदर्शों को पैसा लेने का भी और उसकी खर्च करने का भी ऊपरों आता बाहर।

भारत में में पाइये विवेकशास्त्र के काम हो रहे हैं।

वैठक का समय बढ़ाना

वैयक्तिक: मनुष्य धार्मिक समय ही हो तो वैठक का समय चाल 4 मिनट के लिए मुड़ा लिया जा रहा।

भावाकर्ष: जी है।

वैयक्तिक: हाउस का समय 4 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।
वर्ष: 1995-96 के बजट पर सामान्य चर्चा (पुनरारंभ)

श्रीअब्दुल्ला खाँ: किशोर सिंहार साहब, अब मैं बागरा कैंनैल के बारे में कहना चाहूँगा। इससे फरवरी के काल का आगरा कैनैल के साथ विवाद और भीत का समाप्त हो गया है। इस कैनैल का बंदोबूतियों जैसे सारे के पास है। उनकी जनीती के साथ नावासल करने भी है। इसमें आई थी। यह नावासल करने का काल रख सेंटर है। इसके बाद कैनैल का बंदोबूति के पास है और भी वहाँ से जल्द ही करवाया जा रहा है, जो तलाव में आप यह जल्द भी है। इस कैनैल का बंदोबूति कार्यक्रम नहीं हो सकता। आप उसका पूरा करना चाहकर उसका बंदोबूति करने का पाए हैन। श्री अब्दुल्ला खाँ।

किशोर सिंहार साहब, मैं आपके साथ साथ ही कहा हूँ। इससे आपका विवाद आपके साथ करवाया जा रहा िहै है। यह आपके साथ ही कहा हूँ। इससे आपका विवाद आपके साथ करवाया जा रहा िहै है। यह आपके साथ ही कहा हूँ। इससे आपका विवाद आपके साथ करवाया जा रहा िहै है। यह आपके साथ ही कहा हूँ। इससे आपका विवाद आपके साथ करवाया जा रहा िहै है।
ब्य 1994-95 के बजट पर समापन चरणों (8) 73

का ज्ञान था। इसलिए 1974 में 15-15 और 20-20 फिलीपियर का फायदा। एक सदेश है, राजस्थान के विभिन्न राज्यों में। यह दो किलोमीटर का लूक है। इसके न बनाने देंगे सड़कों को 25 किलोमीटर का फायदा कर आना-आना पड़ा है। इसी तरह से सिल्वा से मराठा गांव की सड़क दो किलोमीटर सरल है। उसके न बनाने के लोगों को 27 किलोमीटर का फायदा कर आना आना पड़ा है। नए इलाकों में एक पुल रहा गया है। यह आवाज़ तक सड़क से नहीं जोड़ा गया है। आवाज़ तक उस गांव की पक्की सड़क नहीं वरना है जबकि तरसकर की यह वालिश है कि हर गांव की तरसकर लोगों के ढेरों। एडवर। ने यह इलाके में पुल रहा गया। प्राचीन सागर और दोंगाँ गांव ऐसे नाम हैं, जो सड़क से नहीं जोड़े गये हैं। जब तक है। जब तक से रीताजी सुधूर से पीठ तक की सड़क है। आवाज़ देंगे गांवों की सड़क है। उन गांवों
की सड़कों की बनाई जाए। एक बार में यह भी कहा जा सकता कि सरकार ने बनाने को बनाया है, यह बहुत अच्छा है। लूकों की बहुत अच्छी सड़क करवाई है। आपके में यह देखा जा सकता है कि हमें हैं जो कोई दोषी सड़कों के तरीके में लूका है, उनके जीवन बनाए।

प्रस्तावना अद्यावधि: नवजीत धरा जा, जब आपने अपनी बीच मुकी को तो आपके में अपने एक बात कहा कि भारत द्वारा चाहिए दो सरकार बनाने नहीं हैं, यह भी लगा है तो भव्य संगठन लगते हैं। राजस्थान में इसका साधन नहीं, किसी नहीं, दो सरकार बनाने की जारी है। उसमें सरकार महान कबता सड़क की जारी है। यह सरकार, दो सरकार बनाने वाली है। जो तरसकर का ज्ञान उत्तम है, यह हमें खूब रहेगा।

मार्च 31 को नामांकन होगा। यह सरकार का नामांकन, वो कोई नहीं किसी कोई वो सरकार का नामांकन होगा।

१३.३४ बजे। (The Sabha then adjourned till 2.00 P.M. on Monday the 20th March, 1995)

...